मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, सोमवार, 27 जुलाई 2026
संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल 13 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 313, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ कुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता
प्रकाश झा की जनादेश को लेकर उत्साहित हैं तुषार ◀◀ 6

22 जंगली हाथियों के झुंड ने मचाया उत्पात, रातभर दहशत में रहे ग्रामीण

✔ पूरी रात ग्रामीण ढोल-नगाड़े, मशाल और पटाखों के सहारे हाथियों को गांव से खदेड़ने का प्रयास करते रहे

संवाददाता

रामगढ़: गोला प्रखंड के मगनपुर पंचायत अंतर्गत जांगी गांव में रविवार रात लगभग 20 से 22 जंगली हाथियों का झुंड घुस आने से पूरे गांव में दहशत का माहौल कायम हो गया। हाथियों ने कई किसानों के खेतों में घुसकर तैयार फसलों को रौंद डाला, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। पूरी रात ग्रामीण ढोल-नगाड़े, मशाल और पटाखों के सहारे हाथियों को गांव से खदेड़ने का प्रयास करते रहे। हाथियों की लगातार धमक से ग्रामीण रातभर डर के मारे जागते रहे। हाथियों के आतंक से प्रभावित किसानों में जोगेंद्र महतो, मुकेश कुमार कुशवाहा, विनय कुमार दांगी, अजीत कुमार एवं जैनुल अंसारी शामिल हैं। किसानों ने बताया कि

हाथियों ने मकई, बैंगन, पत्तागोभी, भिंडी सहित अन्य तैयार फसलों को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। मेहनत और लागत दोनों पर पानी फिर जाने से किसानों में मायूसी है।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से हाथियों के झुंड को जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास किया। विभाग ने लोगों से हाथियों के पास नहीं जाने, उन्हें उकसाने से बचने तथा किसी भी गतिविधि की तत्काल सूचना वन विभाग को देने की अपील की।

ग्रामीणों ने बताया कि हमलोग पूरी रात जागकर किसी तरह हाथियों को भगाते रहे। हमारी फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। सरकार और वन विभाग से उचित मुआवजा और स्थायी समाधान की मांग करते हैं। हाथियों का झुंड लगातार इस इलाके में विचरण कर रहा है। इसके कारण हर रात लोगों को घरों से बाहर निकलकर पहरा देना पड़ता है।

ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि प्रभावित गांवों में सोलर हाईमास्ट लाइट, हाथियों से बचाव के आवश्यक संसाधन एवं समय रहते हाथियों के मूवमेंट की सूचना उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। साथ ही हाथियों द्वारा नष्ट की गई फसलों का शीघ्र आकलन कर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए।

मगनपुर पंचायत के उपमुखिया अकबर अली ने हाथियों के गांव में प्रवेश की सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद वे स्वयं जांगी गांव पहुंचे और हाथियों द्वारा बर्बाद की गई फसलों का जायजा लिया। उन्होंने वन विभाग से प्रभावित किसानों की फसलों का शीघ्र आकलन कर नियमानुसार उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की।

रामगढ़ डीएफओ नीतीश कुमार ने कहा कि हाथियों की गतिविधि की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया था। टीम ने गांव से हाथियों को वन क्षेत्र और उनके सुरक्षित कॉरिडोर में भेजने का प्रयास कर रही हैं। लोगों से अपील है कि फोटो खींचने के लिए हाथियों के करीब न जाए। हाथियों पर किसी तरह की पत्थरबाजी या उन्हें उकसाने का प्रयास न करें। उन्होंने कहा कि फसलों के नुकसान का मूल्यांकन कर प्रावधान अनुसार किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

शराब के नशे में पिता ने की बेटे की हत्या, मामले की जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

साहिबगंज: रांगा थाना क्षेत्र के विशनपुर गांव में एक शराबी पिता ने अपने इकलौते पुत्र की हत्या कर दी। हत्या की खबर सुनकर गांव में दहशत का माहौल है। घटना से एक दिन पहले पुत्र से झगड़ा करने के बाद बुजुर्ग पिता मुजाहिरूल घर से चला गया था। रविवार की रात में वह शराब पीकर आया और सोए हुए 22 वर्षीय इकलौते पुत्र सफीकुल की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी। इसके बाद वह कुल्हाड़ी लेकर सो रही पत्नी को मारने जा रहा था। तभी बेटी ने यह देख लिया और शोर मचाया। जिसके बाद वह मौके से भाग गया।

घर में मौजूद अन्य लोग आसपास के लोगों की मदद से सफीकुल को इलाज के लिए कल्याण अस्पताल केंदुआ ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उसे लेकर बरहड़वा सीएचसी पहुंचे, जहां डाक्टर ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल बाहर ले जाने को कहा। इसके बाद उसे लेकर बीडीएच फरक्का ले गए और वहां से भी

डाक्टरों ने रेफर कर दिया। जिसके बाद जंगीपुर ले जाने के क्रम में उसकी मौत हो गई।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गयाः सूचना मिलने पर सोमवार की सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि सफीकुल दो भाई था। बड़े भाई की करीब आठ साल पूर्व महाराजपुर में ट्रेन से कटने से मौत हो गई थी। उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं थी। चार बहन है, जिनमें तीन की शादी हो चुकी है। सफीकुल की शादी नहीं हुई थी। ग्रामीणों के मुताबिक मुजाहिरूल अक्सर दारू पीकर घर में झगड़ा करता था। बेटा व पत्नी दारू पीने का विरोध करते थे। इसी वजह से उसने इस घटना को अंजाम दिया।

मामले को लेकर रांगा थाना प्रभारी अखिलेश यादव ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। बहुत जल्द आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए राजमहल भेजा गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया जाएगा।

झारखंड में 60 लाख के 16 इनामी नक्सली करेंगे सरेंडर

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: झारखंड में माओवादी विचारधारा का अंत अब तय नजर आ रहा है। पुलिस और सुरक्षा बलों के चौतरफा घेराबंदी और राज्य सरकार की आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति के प्रभाव में आकर माओवादी लगातार मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

इसी क्रम में 28 जुलाई को एक बार फिर 16 कुख्यात माओवादी सामूहिक रूप से आत्मसमर्पण कर अपने हथियार डालेंगे। इस आत्मसमर्पण करने वाले समूह पर कुल 60 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें सबसे प्रमुख चेहरा 15 लाख रुपये का इनामी रिजनल कमांडर संतोष उर्फ गांधी है।

इसके साथ ही 10-10 लाख रुपये के इनामी तीन जोनल कमांडर, पांच-पांच लाख रुपये के तीन सब-जोनल कमांडर, छह एरिया कमांडर और संगठन के तीन निचले दस्ता कैडर भी मुख्यधारा में सम्मिलित होंगे।

जेएमपी कॉम्लेक्स के गार्ड की गोली मारकर हत्या, रंजिश में वारदात की आशंका

संवाददाता

पलामू: शहर के बाईपास रोड स्थित जेएमपी कॉम्लेक्स परिसर में तैनात गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना रविवार देर रात की बताई जा रही है। मृतक की पहचान विनोद पांडेय (50 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

तीन लोगों ने वारदात को दिया अंजामः प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात करीब 11 बजे स्कूटी से एक युवक जेएमपी कॉम्प्लेक्स परिसर पहुंचा। कुछ देर बाद उसने अपने दो अन्य साथियों को भी बुला लिया। तीनों काफी देर तक परिसर में घूमते रहे।

इसके बाद वे ड्यूटी पर मौजूद गार्ड विनोद पांडेय को उठाकर मुख्य गेट के पास ले गए और बेहद करीब से गोली मार दी। गोली लगते

ही गार्ड ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी फरार हो गए।

पुराने विवाद में रंजिश को दिया अंजाम : प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, 15 जुलाई की रात इसी परिसर में आयोजित एक जन्मदिन पार्टी के दौरान परिसर के मैनेजर सोनू सिंह और जटेश्वर मेहता के पुत्र कमलेश मेहता के साथ जन्मदिन मनाने आए कुछ लोगों के बीच विवाद और झड़प हुई थी। पुलिस शुरूआती जांच में इसी पुराने विवाद की रंजिश को हत्या का संभावित कारण मानकर जांच कर रही है। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी भी कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। आरोपियों की पहचान और हत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

ट्रेन की चपेट में आकर महिला की मौत

लातेहार: जिले में ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात महिला की मौत हो गई। यह घटना जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के टोरी-शिवपुर रेलवे रेलखंड स्थित नगड़ा ओवरब्रिज के पास सोमवार सुबह की है।शव रेलखंड के पोल संख्या 21/28 और 30 के बीच बरामद किया है। घटना की सूचना मिलने पर बालूमाथ थाना पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। प्रथम दृष्टया महिला कबाड़ चुन कर अपना जीवन यापन करती थी। घटनास्थल से एक बोरा बरामद हुआ है, जिसमें प्लास्टिक की बोतलें, पुराने कपड़े, खाने-पीने का सामान, पैसे और एक जोड़ी चप्पल बरामद किया गया है।

पेपर लीक से जुड़ा परीक्षा संशोधन बिल लोकसभा में पेश

-छात्रों से मारपीट के मुद्दे पर विपक्ष चर्चा पर अड़ा, सदन 2 बजे तक स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली: पेपर लीक से जुड़ा लोक परीक्षा संशोधन बिल सोमवार को लोकसभा में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पेश किया। इस दौरान ध्वनि मत से पेश करने के लिए वोटिंग कराई गई।

इस बीच विपक्ष, मोदी-शाह छात्रों से माफी मांगें के नारे लगाता रहा। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। इससे सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के 5 मिनट के भीतर ही दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित हो गई थी। उधर, पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफे के बाद सोमवार को पहली संसद पहुंचे। एनडीए सांसदों ने उन्हें शॉल और मिथिला पाग पहनाकर सम्मानित किया और संसद भवन के अंदर तक ले गए। प्रधान ने नीट पेपर लीक विवाद के बीच 25 जुलाई को इस्तीफा दिया था। दूसरी तरफ सुबह 10:30 बजे विपक्ष ने संसद के मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियां सरकार से नीट पेपर लीक और छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब की मांग कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी : 'सिर्फ विरोध-प्रदर्शन होने पर नहीं कर सकते लाठीचार्ज,निष्पक्ष जांच की बात कही'

एजेंसी

नई दिल्लीः हाल ही में हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कथित ज्यादतियों को लेकर चल रही बहस के बीच, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मौखिक रूप से कहा कि सिर्फ विरोध-प्रदर्शन होने की वजह से लाठीचार्ज नहीं किया जा सकता। भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह टिप्पणी तब की जब देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शनकारियों पर कथित तौर पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग के मामलों से जुड़ी नई याचिकाओं का ज़िक्र उनके सामने किया गया। इनमें से एक याचिका छात्रों के एक समूह ने दायर की है, जिनका दावा है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान उनकी पिटाई की गई थी।

'लोकतांत्रिक प्रक्रिया में

अनुशासन और प्रोटोकॉल में एकरूपता जरूरी': सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने मौखिक रूप से कहाः संविधान के तहत शांतिपूर्ण और कानूनी विरोध-प्रदर्शन का अधिकार पूरी तरह से सुरक्षित है। जब तक विरोध-प्रदर्शन शांतिपूर्ण है, सिर्फ इसलिए कि विरोध हो रहा है, ज्यादती नहीं की जा सकती।।।अगर ज्यादती हुई है, तो इसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। यह सिर्फ दिल्ली का मामला नहीं है। पूरे देश में पुलिस प्रोटोकॉल में एकरूपता जरूरी है। सिर्फ विरोध-प्रदर्शन होने का मतलब लाठीचार्ज नहीं है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अनुशासन अहम है।

'पुलिसकर्मी और छात्र दोनों की सुरक्षा समान चिंता का विषय'

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने घायल पुलिसकर्मियों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील को भी कार्यवाही में शामिल होने की अनुमति दी। मामले पर टिप्पणी करते हुए जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि चोट चाहे छात्र को लगे या किसी पुलिस जवान को, दोनों ही अदालत के लिए समान रूप से चिंता का विषय हैं। उन्होंने राज्य सरकारों की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए कहाः किसी व्यक्ति को चोट लगना, चाहे वह पुलिसकर्मी हो या छात्र, समान चिंता का विषय है। हम राज्यों से यह जवाब मांग सकते हैं कि ऐसी उग्र स्थितियों से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को हेलमेट और पर्याप्त सुरक्षा उपकरण क्यों मुहैया नहीं कराए गए?

याचिकाओं में गंभीर आरोपः सिवान में एके-47 के इस्तेमाल का दावा

अदालत के समक्ष दायर याचिकाओं में छात्रों के एक समूह ने दावा किया है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा उन पर बर्बरता से हमला किया गया और उनकी पिटाई की गई। इसके अलावा, एक बेहद चौंकाने वाली याचिका में यह आरोप लगाया गया है कि बिहार के सिवान में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस द्वारा एके-47 राइफलों तक का इस्तेमाल किया गया। कोर्ट ने इन दावों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि पुलिस द्वारा अंधाधुंध बल प्रयोग के आरोपों की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच होनी चाहिए।

बोकारो लापता बच्ची मामले में हाईकोर्ट ने जतायी गंभीर नाराजगी

मेट्रो रेज

रांची: बोकारो की लापता युवती मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने जांच की धीमी प्रगति पर सोमवार को गंभीर नाराजगी जताई। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने अब तक युवती का पता नहीं चल पाने पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

जस्टिस सुजीत नारायण और जस्टिस संजय प्रसाद की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान सीआईडी और सीबीआई की ओर से जांच की अद्यतन स्थिति अदालत के समक्ष प्रस्तुत की गई। न्यायालय ने जांच की अब तक की प्रगति, उपलब्ध साक्ष्यों और जांच एजेंसियों द्वारा उठाए गए कदमों का विस्तार से परीक्षण किया।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सवाल उठाया कि इतने समय बीत जाने के बावजूद युवती का अब तक कोई सुराग क्यों नहीं मिल सका। साथ ही अदालत ने यह भी जानना चाहा कि जांच को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए आगे क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने सीबीआई के एसपी को अगली सुनवाई में स्वयं उपस्थित होकर जांच की प्रगति, अब तक की कार्रवाई और आगे की कार्ययोजना से अदालत को अवगत कराने का निर्देश दिया।

मंगलवार को फिर होगी सुनवाईः हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई मंगलवार दोपहर 2:15 बजे निर्धारित करते हुए इसे पुनः सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

गौरतलब है कि बोकारो की लापता युवती का मामला लंबे समय से झारखंड हाईकोर्ट की निगरानी में चल रहा है। इससे पहले भी अदालत जांच में हो रही देरी पर चिंता जता चुकी है और सीबीआई व सीआईडी को समन्वय के साथ प्रभावी एवं तेज जांच करने के निर्देश दिए थे। अब सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से तलब किए जाने से स्पष्ट है कि हाईकोर्ट मामले की जांच की हर कड़ी पर कड़ी नजर बनाए हुए है और जल्द से जल्द निष्पक्ष एवं प्रभावी जांच सुनिश्चित करना चाहता है।

प्रिंस खान के सहयोगी बबलू खान को मिली जमानत

रांची/मेट्रो रेजः पाकिस्तान में छिपकर गैंग ऑपरेट कर रहे प्रिंस खान के सहयोगी कुख्यात बबलू खान को झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। बबलू खान को कोर्ट ने जिस केस में बेल दी है वह सदर थाना में दर्ज कांड 512/ 2025 से जुड़ा केस है। इस केस में बबलू खान के ऊपर व्यापारियों से रंगदारी के लिए धमकी देने और आर्म्स एक्ट समेत अन्य गंभीर आरोप लगे हैं। बबलू खान को रांची पुलिस ने पिछले वर्ष 22 अक्टूबर को रिंग रोड में हथियार के साथ गिरफ्तार किया था जिसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में है।बबलू की जमानत याचिका ओर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने 20-20 हजार के दो निजी मुचलकों पर जमानत की सुविधा प्रदान की है।बबलू खान की ओर से अधिवक्ता अमन कुमार राहुल ने बहस की।

मेडिकल के छात्र ने फंदे से लटककर दी जान

संवाददाता

खूंटी : थाना क्षेत्र अंतर्गत खूंटी-रांची मुख्य मार्ग स्थित गायत्री नगर में रविवार शाम एक 22 वर्षीय मेडिकल छात्र ने कमरे में गमछे के सहारे पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर खूंटी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मृतक की पहचान 22 वर्षीय शानू पाठक के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिहार के मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र स्थित रतैठा गांव का निवासी था। शानू खूंटी के गायत्री नगर में किराए के मकान में रहकर इम्पीरियल कॉलेज जमुआदग खूंटी में बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रहा था। मिली जानकारी के अनुसार, हाल ही में बीएससी नर्सिंग का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ था, जिसमें शानू एक विषय में कुछ अंकों से उत्तीर्ण नहीं हो पाया था। हालांकि, उसके दोस्तों का कहना है कि वह इस बात को लेकर ज्यादा परेशान नहीं दिख रहा था और सामान्य रूप से रह रहा था। ऐसे में उसके इस कदम ने सभी को स्तब्ध कर दिया है। दोस्तों के अनुसार,

रविवार शाम करीब चार बजे शानू ने

अपने साथियों के साथ कमरे पर ही खाना खाया। इसके बाद उसके साथी किसी काम से बाजार चले गए। कुछ देर बाद जब वे लौटे तो उन्होंने कई बार शानू को फोन किया, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद बगल के कमरे में रहने वाले एक दोस्त ने दरवाजा तोड़ा। अंदर का दृश्य देखकर सभी के होश उड़ गए। शानू गमछे के सहारे पंखे से लटका हुआ था। दोस्तों ने तत्काल गमछा काटकर उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद घटना की सूचना खूंटी थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और मामले की जांच शुरू कर दी।

घटना की सूचना मृतक के पिता विजय कुमार पाठक को भी दी गई। बताया जा रहा है कि शानू अपने पिता का इकलौता बेटा था। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

विश्व मैंग्रोव दिवस पर बहेरा गांव में पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का लिया गया संकल्प

चतरा : विश्व मैंग्रोव दिवस के अवसर पर जिले के पथलगड्डा प्रखंड अंतर्गत मेराल पंचायत के आदिवासी बहुल बहेरा गांव में रविवार को पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के सहयोग से सपोर्ट संस्था द्वारा संचालित एचआरडीपी परियोजना के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना तथा ग्रामीणों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम का शुभारंभ मेराल पंचायत की मुखिया नीतू देवी एवं ग्रामीणों द्वारा पौध रोपण कर किया गया। इसके उपरांत सभी उपस्थित ग्रामीणों ने पर्यावरण संरक्षण, अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम में बच्चों, महिलाओं एवं युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।इस अवसर पर एचआरडीपी परियोजना के विशेषज्ञ अक्षय आनंद पाठक ने विश्व मैंग्रोव दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र पृथ्वी के सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों में से एक है। यह समुद्री तटों की सुरक्षा, जैव विविधता के संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि यद्यपि झारखंड में मैंग्रोव वन नहीं पाए जाते, फिर भी इस दिवस का मूल उद्देश्य प्रकृति संरक्षण, वृक्षारोपण और पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने सभी से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए तथा उसकी नियमित देखभाल करे, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सके।

मुखिया नीतू देवी ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्ष प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, स्वच्छ वायु, जल संरक्षण, वर्षा संतुलन तथा स्वस्थ जीवन के लिए वृक्षों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से पौधारोपण को जन-आंदोलन बनाने तथा लगाए गए पौधों की सुरक्षा और देखभाल की सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों को मैंग्रोवों की रक्षा करें, भावी पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करें विषय के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। सभी प्रतिभागियों ने हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।इस अवसर पर सपोर्ट संस्था के भोला बांडू, उमेश प्रसाद, कर्मी हस्सा, एतवा मुंडा, सुमी नाग, राहुल रविदास, सेनी देवी, बबलु मुण्डा, सोमा मुण्डा, संजय टूटी, बोबी कुमारी, ताडो मुण्डा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिला समूह के सदस्य एवं युवा उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिको द्वारा मनाया गाया कारगिल विजय दिवस

चतराः पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट एसोसिएशन चतरा के तत्वावधान में कारगिल शहीद केरोबिन तिग्गा के पैत्रिक गांव मर्दनपुर मे रविवार को कारगिल विजय दिवस मनाया गया। पूरा गांव कारगिल दिवस अमर रहे,केरोबिन तिग्गा अमर रहे,भारत माता की जय के नारों से गुंज उठा।कार्यक्रम की शुरूआत शहीद केरोबिन तिग्गा के भाई संतोष तिग्गा के द्वारा शहीद के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।उसके बाद पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट एसोसिएशन के सभी सैनिको ने बारी बारी से मालयार्पण किया तथा श्रद्धांजलि अर्पित किया।कार्यक्रम मे पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट एसोसिएशन चतरा के जिला सचिव महेश बाण्डो,जिला उपाध्यक्ष रामबचन साव,पुर्व जिला अध्यक्ष अनिल पाठक, सुरेश मिंज,ओम प्राकाश उपाध्याय,ग्रेगोरी लिण्डा,आनंद एक्का,जयजीत सिंह,इश्वर कुमार,अमरेश कुमार,अनिमेश कुमार के साथ ही ग्रामिण दानभुषण लाकडा,समाजिक कार्यकर्ता मंजुला बाडा,सरपंच धरमेन्द्र भारती,पात्रिक सहित दर्जनो गांव वासी उपस्थित थे।इस मौके पर सचिव महेश बाण्डो ने कहा कि देश के लिए शहीद होना सर्वोच बलिदान है। केरोबिन तिगा गांव और जिला ही नहीं बल्कि पुरे देश के गौरव है।हमे इनके बलिदान पर गर्व है।

सुपन समाज की नई जिला कमेटी का गठन, अमित कुमार बने अध्यक्ष

चतरा : जिला सुपन समाज की बैठक रविवार को चतरा शहर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता गोपाल राम ने की, जबकि संचालन सुनील राम गुड्डू ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से पुरानी जिला कमेटी को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कमेटी में अमित कुमार को जिला अध्यक्ष तथा सागर कुमार को महासचिव चुना गया। वहीं रामदेव राम, सुनील राम गुड्डू और राजा राम को उपाध्यक्ष बनाया गया। गोपाल राम, राजेंद्र राम, अशोक राम, लक्ष्मण राम और अर्जुन राम को सलाहकार की जिम्मेदारी दी गई। करण राम और नीरज कुमार को सूचना मंत्री तथा आकाश कुमार को मीडिया प्रभारी बनाया गया। बैठक में समाज की एकता, संगठन की मजबूती और सामूहिक सहयोग से समाज के विकास के लिए कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष अजय राम सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य मौजूद रहे। इस मौके पर गिद्धौर, इटखोरी, पत्थलगड्डा और सिमरिया प्रखंडों से भी समाज के लोगों ने भाग लेकर नई कमेटी को शुभकामनाएं दीं।

जैक 10वीं बोर्ड कंपार्टमेंटल, इंप्रूवमेंट व विशेष परीक्षा 7 अगस्त से, 30 से एडमिट कार्ड होगा डाउनलोड

संवाददाता

रांची : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने माध्यमिक (मैट्रिक) कंपार्टमेंटल, इंप्रूवमेंट और विशेष (सैद्धांतिक/व्यावहारिक) परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह परीक्षा 7 अगस्त से शुरू होगी।

परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी। पहली पाली सुबह 9:45 बजे से दोपहर 1 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी। हालांकि आईटी एवं वोकेशनल विषयों की परीक्षा 7 अगस्त को सुबह 9:45 बजे से 12:30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

काउंसिल ने बताया है कि परीक्षार्थी 30 जुलाई से जैक की आधिकारिक वेबसाइट से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर समय से पहले पहुंचने और प्रवेश पत्र के साथ निर्धारित पहचान पत्र लेकर आने की सलाह दी गई है।

परीक्षा कार्यक्रम

7 अगस्त (शुक्रवार) : पहली पाली : वाणिज्य, गृह विज्ञान, आईटी व वोकेशनल, दूसरी पाली : उर्दू।

8 अगस्त (शनिवार) : पहली पाली : हिंदी (कोर्स ए एवं बी), दूसरी पाली : विज्ञान।

10 अगस्त (सोमवार): पहली पाली : संस्कृत, दूसरी पाली : सामाजिक विज्ञान।

11 अगस्त (मंगलवार): पहली पाली : गणित, दूसरी पाली : फारसी, उरांव, कुरमाली, उड़िया, हो, पंचपरगनिया, संथाली, खोरठा, नागपुरी, बांग्ला, मुंडारी, खड़िया एवं अरबी।

12 अगस्त (बुधवार): पहली पाली : अंग्रेजी, दूसरी पाली : संगीत।

साथ में लगाएं

जैक इंटरमीडिएट कंपार्टमेंटल, इंप्रूवमेंट व विशेष परीक्षा का शिड्यूल जारी, 7 से 14 अगस्त तक चलेगा एग्जॉम

रांची : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) कंपार्टमेंटल, इंप्रूवमेंट और विशेष परीक्षा का शिड्यूल जारी कर दिया है। यह परीक्षा 7 अगस्त से शुरू होगी, जो 14 अगस्त तक चलेगी।

जारी शिड्यूल के अनुसार, परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में होगी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9:45 बजे से दोपहर 1 बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित की जाएगी।

काउंसिल ने सभी परीक्षार्थियों से निर्धारित तिथि और समय के अनुसार परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचने और परीक्षा से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

परीक्षा कार्यक्रम

7 अगस्त (शुक्रवार) : पहली पाली - समाजशास्त्र, दूसरी पाली - मनोविज्ञान।

8 अगस्त (शनिवार) : पहली पाली - भूविज्ञान, इतिहास, दूसरी पाली -अंग्रेजी कोर-ए, हिंदी कोर-ए एवं हिंदी कोर-बी/मातृभाषा।

10 अगस्त (सोमवार) : पहली पाली - राजनीति विज्ञान, उद्यमिता। दूसरी पाली - रसायन विज्ञान, गृह विज्ञान एवं व्यवसाय अध्ययन।

11 अगस्त (मंगलवार) : पहली पाली - अर्थशास्त्र। दूसरी पाली - गणित/सांख्यिकी।

12 अगस्त (बुधवार) : पहली पाली - कंप्यूटर साइंस, भूगोल। दूसरी पाली - जीवविज्ञान, मानवशास्त्र एवं बिजनेस मैथेमेटिक्स।

13 अगस्त (गुरुवार) : पहली पाली - भौतिकी, दर्शनशास्त्र एवं लेखाशास्त्र। दूसरी पाली - कला संकाय के लिए ऐच्छिक भाषा तथा विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के लिए अतिरिक्त भाषा।

14 अगस्त (शुक्रवार) : पहली पाली - व्यावसायिक (वोकेशनल) विषय, दूसरी पाली - संगीत।

सर्पदंश की घटना में एक बालक की मौत, दूसरा गंभीर

पीड़ित परिवार से मिले चतरा सांसद कालीचरण सिंह

संवाददाता

पलामू : जिले के मनातू प्रखंड अंतर्गत पंचायत पदुमा के ग्राम तेतरडीह में बीते दिनों सर्पदंश की दर्दनाक घटना में सुरेंद्र भुईयां जी के एक पुत्र की असामयिक मौत हो गई, जबकि दूसरा पुत्र घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद सांसद श्री कालीचरण सिंह जी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की। सांसद ने घायल बच्चे के बेहतर एवं समुचित इलाज को लेकर संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर बातचीत की तथा आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही पीड़ित परिवार को हरसंभव आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए भी आवश्यक पहल करने को कहा। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में वे पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं और परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, जिला महामंत्री विजय ठाकुर, जिला परिषद सदस्य प्रदीप चावला, पूर्व मंडल अध्यक्ष अंतू यादव जी, श्रीमती पूनम देवी, राजगोविंद सिंह , लक्ष्मण साव, जिला प्रतिनिधि ललित मेहता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विधिक जागरुकता अभियान का समापन

रांची : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के तत्वावधान में चलाए गए 90 दिवसीय गहन विधिक जागरुकता अभियान का रविवार को समापन हो गया। यह अभियान झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद के निर्देश व सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना तथा रांची के न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में पूरा हुआ। अभियान के दौरान झारखंड के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों, गांवों, कस्बों और मेला परिसरों में लाखों लोगों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और झालसा की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान लोगों से पैरालीगल वॉलेंटियर्स (पीएलवी) के माध्यम से तथा सीधे भी आवेदन प्राप्त किए गए।

अभियान के तहत चेतना, आत्मनिर्भरता, आशा, जागृति, साथी, वाइल्ड लाइफ, निरोगी भवः और स्पृहा सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई गई। साथ ही नुक्कड़ नाटक और जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से नशा मुक्ति, बाल विवाह, डायन प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लोगों को जागरूक किया गया।

मोटरसाइकिल सवार ने खड़े ट्रेलर में मारी टक्कर एक की मौत दूसरा घायल, रेफर

संवाददाता

चतरा : जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र में रविवार की रात लगभग 09 बजे इटखोरी चौपारण रोड पर सपना होटल के समीप एक खड़े ट्रेलर में लगे टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की पुष्टि करते हुए थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान हजारीबाग जिले

के चौपारण थाना अंतर्गत महराजगंज के मध्यगोपोली दादपुर निवासी ललन कुमार साव (19 वर्ष) पिता टेक्लाल साव के रूप में हुई है। वहीं घटना में गंभीर रूप से घायल युवक बबलू कुमार साव (20 वर्ष) पिता सहजीवन साव को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वहीं घटना के बाद ड्राइवर ट्रेलर लेकर भागने में सफल हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि जब घटना की सूचना हुई तो अपने प्रयास से दोनों को सबसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटखोरी पहुंचाया गया। जहां चिकित्सक ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया और दूसरे का प्राथमिक उपचार के बाद हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती पर शक्ति प्रदर्शन

हजारों लोगों की भागीदारी से गूंजा शहर,भव्य बाइक रैली बनी आकर्षण का केंद्र

संवाददाता

चतरा : महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती के अवसर पर रविवार को चतरा में झारखंड (कुम्हार) प्रजापति समाज ने सामाजिक एकता, संगठन और सांस्कृतिक गौरव का भव्य प्रदर्शन किया। चतरा के डीएमएफटी भवन में आयोजित समारोह में जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में समाज के महिला, पुरुष एवं युवा पहुंचे। श्रद्धा,उत्साह और सामाजिक समरसता से सराबोर इस आयोजन में समाज की एकजुटता साफ दिखाई दी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शहर में निकाली गई विशाल मोटरसाइकिल रैली रही, जिसमें सैकड़ों युवाओं ने हिस्सा लेकर समाज की एकता और जागरूकता का संदेश दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा दक्ष प्रजापति के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद उपस्थित लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को आत्मसात करने और समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। समारोह में प्रदेश अध्यक्ष देवनारायण प्रजापति,प्रदेश महामंत्री ईशरचंद प्रजापति,जिला अध्यक्ष गौतम

प्रजापति,संरक्षक पंकज प्रजापति, इन्द्रूराम प्रजापति,नंदकिशोर प्रजापति सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाजसेवी मौजूद रहे।सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि समाज को संगठन, परिश्रम, शिक्षा और संस्कार का मार्ग दिखाने वाले प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि बदलते समय में समाज की प्रगति का सबसे बड़ा आधार शिक्षा और आपसी एकता है। नई पीढ़ी को शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके बाद समाज की ओर से निकाली गई भव्य मोटरसाइकिल रैली डीएमएफटी भवन से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। हाथों में समाज का ध्वज और जयघोष करते युवाओं ने पूरे शहर में उत्साह का माहौल बना दिया। विभिन्न चौक-चौराहों पर लोगों ने रैली का स्वागत किया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। रैली के माध्यम से सामाजिक सद्भाव, भाईचारा, संगठन की मजबूती तथा समाज में शिक्षा और जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में समाज के वक्ताओं ने सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने, युवाओं को नशामुक्ति की ओर प्रेरित करने, बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने तथा समाज के आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए सामूहिक प्रयास करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब समाज संगठित होगा, तभी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य और अधिक मजबूत होगा।समारोह के अंत में समाज की एकता, संगठन और प्रगति के लिए सामूहिक संकल्प लिया गया। आयोजन को सफल बनाने में जिला सचिव कमलेश प्रजापति,इटखोरी प्रखंड अध्यक्ष राजेश प्रजापति,मयूरहंड के जगदीश प्रजापति, चेतलाल प्रजापति,मीडिया प्रभारी पप्पू प्रजापति,प्रकाश प्रजापति,दिलीप प्रजापति,उमेश प्रजापति,धीरेंद्र प्रजापति, विशाल प्रजापति आदित्य प्रजापति सहित समाज के अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में जिलेभर से पहुंचे सैकड़ों लोगों की उपस्थिति ने इसे प्रजापति समाज के सबसे बड़े सामाजिक आयोजनों में से एक बना दिया।

हाइवा चुराकर 30 मिलोमीटर तक दौड़ाते रहे दो नाबालिग, पुलिस ने सताकी में दबोचा

संवाददाता

अनगड़ा (रांची): गोंदलीपोखर बाजार से एक हाइवा चोरी कर करीब 30 किलोमीटर दूर सताकी तक ले जाने वाले दो नाबालिगों को अनगड़ा और राहे पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों को पूछताछ के बाद रविवार को बाल सुधार गृह भेज दिया गया। दोनों नाबालिग 14 से 15 वर्ष के हैं इधर, इस घटना ने पूरे क्षेत्र में लोगों को हैरान कर दिया है।

देर रात वारदात को दिया अंजामः जानकारी के अनुसार, शुक्रवार (24 जुलाई) की देर रात करीब 12 बजे गोंदलीपोखर बाजार में वाहन मालिक तुरुप निवासी राजकुमार महतो का हाइवा खड़ा था। इसी दौरान दोनों नाबालिग वाहन स्टार्ट कर टाटीसिलवे-राहे सड़क मार्ग होते हुए सताकी की ओर भाग

निकले। टाटीसिलवे के पास वाहन मालिक के एक परिचित की नजर हाइवा पर पड़ी। उन्होंने तुरंत राजकुमार महतो को इसकी सूचना दी। जिसके बाद वाहन मालिक ने तुरंत जरगा और पैका गांव के परिचितों से संपर्क किया और रास्ते में वाहन रोकने का प्रयास करने को कहा।

सताकी में पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचाः ग्रामीणों ने सड़क पर अवरोधक लगाकर हाइवा रोकने की कोशिश की, लेकिन नाबालिग तेज रफ्तार में अवरोधकों को तोड़ते हुए आगे निकल गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। अनगड़ा और राहे पुलिस ने संयुक्त रूप से सताकी के पास घेराबंदी की और हाइवा को रोककर दोनों नाबालिगों को हिरासत में ले लिया। वाहन मालिक के आवेदन पर अनगड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

गिरोह से संबंध की जांच में जुटी पुलिसः पूछताछ के बाद दोनों नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया। घटना को लेकर ग्रामीणों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि यदि तेज रफ्तार हाइवा की वजह से रास्ते में कोई बड़ा हादसा हो जाता, तो गंभीर जनहानि हो सकती थी। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि दोनों नाबालिगों ने वारदात अपने स्तर पर अंजाम दी या इसके पीछे किसी आपराधिक गिरोह का हाथ है। मामले की जांच जारी है।

अवैध निर्माण हटाने के लिए एचइसी ने जिला प्रशासन से मांगी मदद

रांची : एचइसी आवासीय परिसर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जायेगा। इसको लेकर एचइसी प्रबंधन ने जिला प्रशासन को पत्र लिख कर अवैध निर्माण हटाने में सहयोग की मांग की है। एचइसी नगर प्रशासन विभाग के अधिकारी ने कहा कि कर्मियों की कमी के कारण व्यापक स्तर पर अभियान नहीं चलाया जा रहा है। एचइसी आवासीय परिसर में लोगों द्वारा धड़ल्ले से अवैध निर्माण किया जा रहा है। शिकायत मिलने पर चेतावनी भी दी जाती है, इसके बावजूद लोग रातों-रात निर्माण कार्य कर रहे हैं। अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई को लेकर एचइसी प्रबंधन ने पिछले दिनों सर्वे भी कराया है। मालूम हो कि एचइसी कॉलोनी के अंदर सौ एकड़ से अधिक जमीन पर अवैध कब्जा है। एचइसी ने जमीन की लीज दर 12 करोड़ रुपये प्रति एकड़ निधर्धारित की है। इस हिसाब से कब्जा की गयी जमीन की कीमत 1200 करोड़ रुपये से अधिक है। जमीन पर अवैध कब्जा होने से एचइसी को राजस्व नहीं मिल रहा है। वहीं, कानून व्यवस्था की स्थिति भी बिगड़ रही है। आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण सुरक्षाकर्मियों द्वारा पूर्व की तरह नियमित गश्त भी नहीं की जा रही है।

भाजपा किसान मोर्चा ने सुना पीएम मोदी के मन की बात का 136वां संस्करण, किया पौधरोपण

संवाददाता

रांचीः केंद्र के निर्देशित कार्यक्रम के तहत झारखंड भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू के नेतृत्व तथा रांची महानगर एवं रांची ग्रामीण जिला के तत्वावधान में रांची जिला के ठाकुरगांव थाना अंतर्गत निलय कॉलेज में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का 136वां संस्करण का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम के उपरांत एक पेड़ मां का नाम अभियान के तहत किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने पौधरोपण किया। कार्यक्रम में कई किसान भाइयों को आमंत्रित कर प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पश्चात पदाधिकारियों ने टिफिन बैठक कर आपसी संवाद किया। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू के नेतृत्व में आगे के कार्यक्रमों को लेकर सबों ने अपना-अपना विचार साझा किया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू समेत समस्त पदाधिकारियों ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर 1999 के कारगिल युद्ध में मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर वीरों को विनम्र श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पवन

साहू ने कहा कि मन की बात अब केवल रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार तथा जनभागीदारी के लिए प्रेरित करने वाला जनआंदोलन बन गया है। वहीं एक पेड़ मां के नाम चल रहे अभियान के तहत उन्होंने अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि हर नागरिक यदि अपनी मां के नाम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करें तो यह हरित क्रांति के निर्माण की नींव बन सकता है। कारगिल विजय दिवस पर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि हमारे वीर जवानों का त्याग, साहस और समर्पण आने वाली पीढ़ियां को राष्ट्रप्रेम, कर्तव्य निष्ठा और राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के लिए प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू के साथ कार्यक्रम के संयोजक सह प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश सिंह, कार्यक्रम के सहसंयोजक व प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश कुशवाहा, अरविंद खुराना, अजय दुबे, प्रदेश महामंत्री अजय मुंडा, प्रदेश मंत्री डॉ विनोद ठाकुर, कार्यालय मंत्री सज्जन पंकज, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह, सह कार्यालय मंत्री सुरेंद्रनाथ, बृंद कुमार, कार्यक्रम समन्वयक संयोजक अवधेश दुबे, प्रमंडलीय प्रभारी राणा गुड्डू सिंह, राजीव नाथ शाहदेव, रांची ग्रामीण जिला अध्यक्ष बिंटू शाहदेव, यश सिंह परमार, सुमित पाठक सहित कई मोर्चे के साथी व किसान भाई शामिल रहे।

नगड़ी में एलएस आशीर्वाद के नए कार्यालय का हुआ भव्य उद्घाटन

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के नगड़ी क्षेत्र में एलएस आशीर्वाद के नए कार्यालय का भव्य उद्घाटन अधिवक्ता चंद्र शेखर पांडेय, संजय कुमार सारस्वत, प्रभाकर कुमार सिन्हा, हरिओम शंकर (सोनू सिंह) अपर्णा सिंह,अंजन कात्यान के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोग एवं समाज के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित प्रमुख लोगों में प्रकाश कुमार,अशोक साहु,विवेक धान, मुन्ना सिंह ,अमित कुमार श्रवण महली, विजेता कच्छप, अमित उरांव, सन्नी नायक, मंटू नायक, विनोद उरांव, प्रेम साहू, शंकर साहू, सूरज साहू, सूरज महतो, बिट्टू साहू, विनोद नायक, बीरू नायक, मंटू साहू, गोबरा नायक, अर्जुन महतो शिवा कुमार महतो, सत्यम कुमार एवं बबलू उराव शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने नए कार्यालय के शुभारंभ पर शुभकामनाएं दीं और संस्था की निरंतर प्रगति एवं समाज सेवा के कार्यों में सफलता की कामना की। समारोह का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए नए कार्यालय के शुभारंभ का स्वागत किया।

जेएलकेएम ने रातू प्रखंड में संगठन विस्तार को लेकर की बैठक

सक्रियता के आधार पर शीघ्र सौंपी जाएगी संगठनात्मक जिम्मेदारीः गुना भगत

मेट्रो रेज

रांचीः 'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' इन दिनों संगठन के पुनर्गठन एवं विस्तार अभियान को गति दे रहा है। इसी क्रम में आज रांची जिला कमेटी की ओर से रातू प्रखंड के संगठन विस्तार को लेकर काठीटांड़ में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला व केंद्रीय स्तर के कई चयन पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान रातू प्रखंड के सक्रिय कार्यकर्ताओं की पहचान करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। साथ ही क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं एवं उन्हें लेकर चलाए जाने वाले जनआंदोलनों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए रांची जिला अध्यक्ष गुना भगत ने कहा कि संगठनात्मक कार्यों एवं जनआंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कार्यकर्ताओं को उनकी कार्यक्षमता और सक्रियता के आधार पर शीघ्र ही संगठन की ओर से उचित जिम्मेदारी पद सौंपी जाएगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से टाईगर जयराम महतो के विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा जनता के मुद्दों पर निरंतर संघर्ष करने का आह्वान किया। बैठक में रतिया गंझू, बीरबल महतो, संतोष कुमार साहू, प्रभाकर उपाध्याय, राम प्रसाद, सुजित कुशवाहा सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं क्षेत्र के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हत्याकांडः आरोपी इम्तियाज अंसारी को दूसरी बार भी नहीं मिली जमानत

रांचीः रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता सुशांत सिंह के पिता अशोक सिंह हत्याकांड के आरोपी इम्तियाज अंसारी को झारखंड हाईकोर्ट से दूसरी बार भी राहत नहीं मिली है। हाईकोर्ट ने उसकी जमानत याचिका खारिज करते हुए बेल देने से इंकार कर दिया। इससे पहले भी इम्तियाज अंसारी ने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन उस समय भी उसकी याचिका खारिज कर दी गई थी।

सोमवार को मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने आरोपी को जमानत दिए जाने का विरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने इम्तियाज अंसारी की दूसरी जमानत याचिका भी खारिज कर दी।

क्या है मामला

यह मामला वर्ष 2024 के 13 अक्टूबर का है। चान्हो थाना क्षेत्र के मसमानो गांव में 62 वर्षीय अशोक सिंह की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के दिन अशोक सिंह अपने घर के पास भैंस बांध रहे थे। इसी दौरान कई लोग वहां पहुंचे और उन पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल अशोक सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने तबरेज अंसारी, इम्तियाज अंसारी, शफीक अंसारी, कयूम अंसारी और आबिद अंसारी समेत अन्य को आरोपी बनाया है।

कला उत्सव 2026 ऑडिशन सिल्ली में संपन्न

मेट्रो रेज संवाददाता

मुरीः बी डिफरेंट इवेंट एंड इंटरटेंमेंट द्वारा आयोजित कला उत्सव 2026 का ऑडिशन राउंड रविवार को राजकीय मानभूम छाऊ नृत्य कला केंद्र, सिल्ली में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सिल्ली एवं आसपास के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा प्रतिभाशाली कलाकारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।ऑडिशन में मुरी से आरोही ने भाग लिया। आदित्य बिरला हाई स्कूल से श्रेया सहिस, प्रियांशी एवं श्वेता ने अपनी प्रस्तुति दी। संत माइकल स्कूल, मुरी, कस्तूरबा गांधी विद्यालय, मुरी, चिराग स्कूल तथा डीएवी स्कूल से श्रीशा कुमारी, ईशा एवं अश्विनी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं उसुलाइन स्कूल, मुरी से आलिया ने भी प्रभावशाली प्रस्तुति देकर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

इसके अलावा राष्ट्रीय ढोल वादिका हेमली कुमारी ने भी इस ऑडिशन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मुरी कोकोराना से सागर सहिस तथा राष्ट्रीय नृत्यक एवं सिल्ली कॉलेज के मोहन सहिस ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

ऑडिशन के दौरान प्रतिभागियों की कला, आत्मविश्वास और उत्साह ने निर्णायकों को प्रभावित किया। आयोजकों ने बताया कि चयनित प्रतिभागी अब कला उत्सव 2026 के आगामी चरणों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगें.संस्था ने सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों, विद्यालयों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कला उत्सव का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है, ताकि वे अपनी कला के माध्यम से नई पहचान बना सकें।

आम और अंदाज में कला, स्वाद और रचनात्मकता का अनूठा संगम

संवाददाता

रांचीः आईफा इंटरनेशनल रांची द्वारा रॉयल हाइट्स बैंक्वेट, रांची में राष्ट्रीय आम दिवस के अवसर पर आम और अंदाज कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन संस्था के निदेशक मोहम्मद साबिर हुसैन के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीद वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर निदेशक मोहम्मद साबिर हुसैन ने बच्चों को कारगिल विजय दिवस के महत्व, भारतीय सेना के अदम्य साहस, बलिदान एवं देशभक्ति के बारे में जानकारी दी तथा देश के वीर जवानों के प्रति सम्मान और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत मैंगो थीम पेंटिंग प्रतियोगिता, नो फ्लेम कुकिंग प्रतियोगिता (केवल आम से बनी रेसिपियां) तथा मैंगो ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता, कलात्मक प्रतिभा एवं पाक-कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

प्रतियोगिताओं का निष्पक्ष

मूल्यांकन अंजू श्रीवास्तव, निगार सुल्ताना, जोया कमर एवं शगुफ्ता बानो द्वारा किया गया। उन्होंने पेंटिंग, नो फ्लेम कुकिंग एवं ड्रेस प्रतियोगिता के प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों का चयन किया।

नो फ्लेम कुकिंग प्रतियोगिता के विजेता

प्रथमः नौरीन रबनवाज
द्वितीयः नजमा नेहा
तृतीयः शोभा कुमारी

पेंटिंग प्रतियोगिता तीन आयु वर्गों में आयोजित की गई

- ✔ प्रथम पुरस्कारः फिजा, अद्यान एवं अनुज
- ✔ द्वितीय पुरस्कारः अम्मार, रेहान एवं अफीफा
- ✔ तृतीय पुरस्कारः शजान, रुचि कुमारी एवं शबाना

विजेताओं को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की सफलता में पिया बर्मन, हुमायूँ कबीर, आल्मा हसन एवं मुस्कान का विशेष सहयोग रहा। वहीं प्रतियोगिता हेतु कला सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कौशिक घोष एवं अनुपम का आयोजकों ने विशेष आभार व्यक्त किया।

आयोजकों ने दी इमेज इवेंट का भी विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनके सहयोग से कार्यक्रम का सफल एवं व्यवस्थित संचालन संभव हो सका। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं में रचनात्मक सोच, कलात्मक अभिव्यक्ति तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। अंत में निदेशक मोहम्मद साबिर हुसैन ने सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों, निर्णायकों, सहयोगियों एवं प्रायोजकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

आर्थिक तंगी से परेशान महिला ने अपने दो बच्चों संग तालाब में लगाई छलांग, लोगों ने बचाया

रांचीः राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र के रातू चट्टी स्थित बड़ा तालाब में रविवार की दोपहर करीब 1:30 बजे एक महिला ने तालाब में कूद कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि उस समय तालाब किनारे बैठे कुछ स्थानीय युवकों ने उसे छलांग लगाते देख लिया। स्थानीय युवकों ने चिबना देर किए तालाब में कूद पड़े और कड़ी मशक्कत के बाद महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। तालाब से बाहर निकालने के बाद महिला बदहवास थी और वह कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं थी। काफी देर तक समझाने के बाद उसने अपना नाम भारती कुमारी सिंह बताया और कहा कि वह अपने दो बच्चों के साथ रातू आमांड में जतन साहू के मकान में किराए पर रहती है। उसका पति प्रमोद सिंह रोजी-रोटी कमाने के लिए गुरुग्राम गया हुआ है। आरोप है कि वह न तो पत्नी और बच्चों की कोई सुध लेता है और न ही उनके भरण-पोषण के लिए पैसे भेजता है। बार-बार मांगने के बावजूद आर्थिक सहायता नहीं मिलने से परिवार गंभीर आर्थिक तंगी से गुजर रहा है। बच्चों के पालन-पोषण की चिंता से परेशान होकर उसने आत्महत्या करने का निर्णय लिया। घटना की सूचना पर पहुंची रातू पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है।

कोर्ट से राहत के बाद झारखंड प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों पर हुई कार्रवाई समाप्त

संवाददाता

रांचीः झारखंड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों को बड़ी राहत दी है। विभाग ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ पहले की गई कार्रवाई को वापस लेने का निर्णय लिया है। इस संबंध में अलग-अलग संकल्प और अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। दोनों मामलों में यह फैसला न्यायालय से राहत मिलने के बाद लिया गया है। **संजीव कुमार लाल का निलंबन समाप्तः** पहला मामला झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संजीव कुमार लाल से जुड़ा है। संजीव कुमार लाल राज्य के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव (पीए) रह चुके हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें पीएमएलए के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। इसके बाद राज्य सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

मई 2026 में उन्हें न्यायालय से जमानत मिल गई। करीब दो साल जेल में रहे। जमानत मिलने के बाद उन्होंने कार्मिक विभाग में योगदान दिया। विभाग ने उनके योगदान को स्वीकार कर लिया। न्यायालय के आदेश के आलोक में 15 मई 2026 से उनके योगदान को प्रभावी माना गया है। इसके साथ ही कार्मिक विभाग ने उनका निलंबन समाप्त करने का संकल्प जारी कर दिया है। **जितेंद्र कुमार मुंडा को भी मिली राहतः** दूसरा मामला झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जितेंद्र कुमार मुंडा का है। वह चान्हो के तत्कालीन अंचल अधिकारी (सीओ) रह चुके हैं। उनके खिलाफ एसएआर से जुड़े एक मामले में विभागीय कार्रवाई की गई थी। आरोप था कि उन्होंने एसएआर के प्रावधानों और निर्धारित प्रक्रिया की अनदेखी करते हुए सुलेमान एवं अन्य लोगों को जमीन पर कब्जा दिलाने में भूमिका निभाई। इस आरोप के आधार पर विभागीय कार्रवाई शुरू की गई थी। जांच के बाद विभाग ने उनकी अपील और अभ्यावेदन को अस्वीकार कर दिया था। इसके साथ ही उन्हें रोकने का दंड दिया गया था। यह दंड उनके सेवा रिकॉर्ड में दर्ज किया गया था।

कोर्ट से मिला न्यायः विभागीय कार्रवाई से असंतुष्ट होकर जितेंद्र कुमार मुंडा ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने विभागीय आदेश को अदालत में चुनौती दी। मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने उन्हें राहत प्रदान की। कोर्ट के आदेश के बाद कार्मिक विभाग ने पूरे मामले की समीक्षा की। इसके बाद विभाग ने पहले जारी दंडादेश को निरस्त करने का निर्णय लिया। नए संकल्प के माध्यम से उनके खिलाफ लगाए गए सभी दंड समाप्त कर दिए गए हैं। विभाग ने पूर्व का आदेश विलोपित करते हुए उन्हें सेवा संबंधी राहत प्रदान कर दी है।

विहंगम योग सत्संग का आयोजन

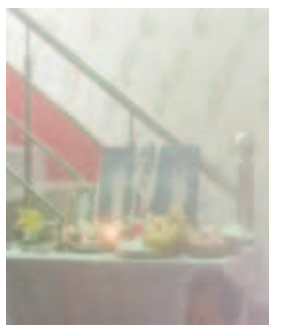

मेट्रो रेज संवाददाता

मुरीः सिल्ली में गुडिया चौधरी और राकेश चौधरी के निवास स्थल पर संत समाज द्वारा विहंगम योग सत्संग का आयोजित किया गया। जिसमें रांची से अरविंद और सुचिता,बोकारो से जगतपाल पुराण,मंगल, सिल्ली से गणेश साहु,उमा साहु,उमाशंकर मालाकार ,उपेन्द्र महतो,विजय भद्रक, विन्दे कुमार चौधरी,बेबी देवी व सत्संग समाज के लोग मौजूद थे। सत्संग में स्वागत गान,मंगल सदगुरूदेव की आरती,भजन-कीर्तन, शांतिपाठ और प्रवचन दिए गए। सत्संग में जगतपाल पुराण ने कहा कि मनोवृति पर नियंत्रण एकमात्र उपाय विहंगम योग है। आत्मा और परमात्मा के प्रकाश को जानने का माध्यम सत्संग है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

सीजेपी का प्रदर्शन, क्या अपने मूल उद्देश्य से भटक गया ?

देश में जब ह्यनीटह्न प्रश्नपत्र लीक का मामला सामने आया तो स्वाभाविक रूप से लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों में गहरा आक्रोश उत्पन्न हुआ। यह उन युवाओं के भविष्य का प्रश्न था जिन्होंने वर्षों की मेहनत, आर्थिक संसाधन और मानसिक ऊर्जा इस परीक्षा की तैयारी में लगाई थी। ऐसे समय में छात्रों का शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतंत्र की स्वाभाविक अभिव्यक्ति माना जा सकता है।

वैसे भी किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में छात्रों को अपनी बात रखने, सरकार से जवाब मांगने और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग करने का पूरा अधिकार है, किन्तु दिल्ली में पिछले दिनों में जो घटा है, उसे देखने के बाद यह प्रश्न उठने लगा है कि क्या यह आंदोलन अभी भी छात्रों के भविष्य और शिक्षा सुधार को लेकर हो रहा है?

जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन के अनेक दृश्य, वहां उठ रहे विभिन्न प्रकार के नारे, अलग-अलग राजनीतिक और वैचारिक संगठनों की बढ़ती सक्रियता तथा शिक्षा से असंबंधित मुद्दों की प्रमुखता ने इस आंदोलन की दिशा और उद्देश्य पर गंभीर बहस खड़ी कर दी है। इसी संदर्भ में जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन को लेकर अनेक वीडियो, सोशल मीडिया पोस्ट और सार्वजनिक चचाएं सामने आ रहे हैं। इनमें कुछ स्थानों पर ऐसे नारे सुनाई देने के दावे किए गए जिनका ठएएळ, परीक्षा सुधार या शिक्षा व्यवस्था से कोई प्रत्यक्ष संबंध दिखाई नहीं देता। यदि वास्तव में किसी प्रदर्शन में ₹आरएसएस मुदार्बाद₹, ₹ब्राह्मण मुदार्बाद₹, ₹हम हिंदू नहीं हैं₹, अथवा किसी देवी-देवता के प्रति अपमानजनक टिप्पणियां जैसे नारे लगाए गए हों, तो यह साफ दशार्ता है कि आन्दोलन के नाम पर वास्तविकता में जंतर-मंतर भी हिन्दू विरोध और सनातन धर्म को टार्गेट किया जा रहा है। कुछ नारे तो बेहद ही आपत्ति जनक हैं, जिन्हें यहां लिखने के लिए भी हिम्मत चाहिए, किंतु आप सभी को सच से अवगत कराना भी जरूरी है, इसलिए आप स्वयं पढ़ें और विचार करें कि आखिर इस आन्दोलन को कौन लोग चला रहे हैं! ये कथित नारे हैं; सीता का पति क्या कर लेगा। भगवान भी मोदी की तरह ... है, जब चाहे मौसम बदल देता है। नाम रहेगा अल्लाह का। प्रेमानंद महाराज नहीं हैं। हम हिंदू नहीं हैं, हमें हिंदू मत कहो। भारत तेरे टुकड़े होंगे। अब विचार करें कि इन नारों को सुनकर या पढ़कर किस देशभक्त को आक्रोश नहीं आएगा? सच्चायी तो यही है कि ऐसे नारे न सिर्फ आंदोलन के घोषित उद्देश्य से परे हैं, बल्कि ये समाज में अनावश्यक वैमनस्य भी उत्पन्न करते हैं। इसी प्रकार, यदि मंच पर महिलाओं के आरक्षण, किसानों के आंदोलन अथवा अन्य राजनीतिक विषय प्रमुख होने लगें, तो इससे यह संदेश जाना स्वभाविक है कि छात्र आंदोलन अब अनेक अलग-अलग एजेंडों का साझा मंच बन गया है। लोकतांत्रिक बहुलता अपने आप में नकारात्मक नहीं है, किंतु जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाए, तो आंदोलन की प्रभावशीलता कम होने लगती है। फिर उसका कोई मतलब नहीं रह जाता है। फिर प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार और कुछ स्थानों पर अव्यवस्था की खबरें और वीडियो भी चिंता बढ़ाते हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न संसाधनों और सहयोग का है। सार्वजनिक चर्चा में यह भी सामने आया कि कुछ प्रदर्शनकारियों को विदेशों से भोजन अथवा अन्य प्रकार की सहायता भेजी जा रही है। सरकार के खिलाफ चल रहे इस प्रदर्शन में बांग्लादेश, पाकिस्तान, कतर, नेपाल जैसे देशों की सद्भावना जाग उठी है। वीडियोज सामने आ रहे हैं कि इन देशों से अनजान व्यक्ति जंतर-मंतर पर बैठे प्रदर्शनकारियों के लिए फूड डिलीवरी ऐप से महँगा खाना भेज रहे हैं। वहीं नेपाल के युवा लगातार वीडियो बनाकर भारत के युवाओं को ह्यनेपाल जैसा कारनामाह्न करने के लिए भड़का रहे हैं। क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) से जुड़े लोग यहां ₹जय भीम, जय भीम₹ के नारे लगाते नजर आए हैं। अब आप स्वयं ही विचार करें, इस नारे का इस आन्दोलन में क्या काम है! नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन विमेन (एनएफआईडब्ल्यू), जिसने नई दिल्ली में जंतर-मंतर के पास परिसीमन और जनगणना प्रक्रियाओं से कोटा को अलग करके संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग रखी है, सोचने वाली बात है कि यहां इस तरह की मांग का क्या औचित्य है?कांग्रेस सेवा दल के स्वयंसेवक एनआईएफडब्ल्यू के सदस्य यहां बड़ी संख्या में मौजूद हैं। इस्लामवादियों और बुर्का पहने महिलाओं की उपस्थिति भी सहज देखी जा सकती है, जब उनसे ठएएळ विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछा जा रहा था तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पा रहीं थी। किसान नेता गुरनाम सिंह चढुनी के नेतृत्व वाली भारतीय किसान यूनियन और उनके समर्थक यहां मौजूद हैं। यह बात समझ से परे है कि किसानों का कोई संगठन छात्रों के अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शन करने क्यों आया है?

निहंग तलवारें लहराते हुए पुलिसकर्मियों को धमका रहे हैं। ये निहंग पंजाब में हुए पेपर लीक के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं और दिल्ली तक का सफर तय कर विरोध प्रदर्शन करने आए हैं! जंतर-मंतर पर, सीजेपी के प्रदर्शनकारियों ने महिला पत्रकारों के साथ छेड़छाड़ की और पुरुष पत्रकारों को पीटना आखिर क्या दर्शा रहा है? ऐसे में साफ नजर आता है कि जंतर-मंतर पर चल रहा कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का विरोध प्रदर्शन छात्रों की चिंताओं को उठाने और उनके हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से बिल्कुल भी नहीं किया जा रहा है। पूरा विपक्ष यहां मौजूद है, सिर्फ मुखौटा छात्रों का लगा लिया गया है। पिछले पांच दिन आम आदमी के लिए मुश्किल भरे रहे हैं, क्योंकि कई मेट्रो स्टेशन बंद हैं, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह देश के आम व्यक्ति के टैक्स से खड़ी की गई हैं, इसलिए यहां सभी राजनीतिक दलों की भूमिका भी विचारणीय है। सत्ता का विरोध करने का अर्थ यह नहीं हो सकता है कि आप विरोध के लिए किसी भी सीमा तक चलें जाएं।सरकार की आलोचना करना लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन यदि किसी छात्र आंदोलन का केंद्र शिक्षा सुधार से हटकर केवल सत्ता परिवर्तन की राजनीति बन जाए, तो इसे मूल मुद्दे को पीछे छोड़ देना कहते हैं। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता, प्रश्नपत्र सुरक्षा, परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जैसे विषय ही ऐसे आंदोलन के केंद्र में रहने चाहिए, जोकि फिलहाल इस पूरे आन्दोलन से गायब हैं! सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़े आंदोलन में समाज को जोड़ने वाले संदेश अधिक होने चाहिए या समाज को विभाजित करने वाले? यदि किसी भी मंच पर धर्म, जाति या समुदाय विशेष के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग हो रहा है, तो इसे क्या माना जाए ? निश्चित ही इससे आंदोलन का नैतिक आधार कमजोर हुआ है। शिक्षा सुधार की लड़ाई को किसी भी प्रकार के सांप्रदायिक, जातीय या वैचारिक वैमनस्य में बदलना छात्रों के हित में नहीं माना जा सकता है।आज आवश्यकता इस बात की है कि छात्र आंदोलन अपने मूल उद्देश्य की ओर लौटे। यदि उसकी प्राथमिकता निष्पक्ष परीक्षा, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसियों में सुधार, प्रश्नपत्र लीक पर कठोर दंड और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा है, तो उसे व्यापक सामाजिक समर्थन मिलेगा ही, किंतु यदि आंदोलन का प्रमुख संदेश राजनीतिक ध्रुवीकरण, असंबंधित मुद्दों या भड़काऊ नारों से जुड़ना होगा तो स्वभाविक है संदेश देशभर में बिल्कुल भी सही नहीं जाएगा, जोकि अब यहां दिखाई भी दे रहा है।

कुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता

उत्कृष्ट, निष्ठावान और कार्यकुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारे संविधान तंत्र में सरकारें संसद व विधानमण्डलों के सामने जवाबदेह हैं। जनप्रतिनिधि भी प्रत्येक 5 वर्ष के बाद आम जनता के समक्ष होते हैं। लेकिन प्रशासन तंत्र की कोई जवाबदेही नहीं। प्रशासन तंत्र संवेदनहीन और निष्क्रिय है और सरकारें सक्रिय। भारतीय प्रशासन का इतिहास पुराना है।

हृदयनारायण दीक्षित

प्रशासन तंत्र लोक कल्याणकारी कामों का लाभ आमजनों तक ले जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रशासन तंत्र को सक्रिय किया है। प्रधानमंत्री नीति व निर्णयों में तेज रफ्तार गतिशील हैं। वे सारी कार्य संस्कृति बदल रहे हैं। आखिरकार सभी सुधारों का अंतिम उपकरण प्रशासन तंत्र है। नीतियों और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन प्रशासन तंत्र द्वारा ही होता है। नौकरशाही और प्रशासनिक तंत्र में जड़ता है। जिम्मेदार अधिकारी भी अपने कर्तव्यों के निर्वाहन में जनता से दूरी बनाए रखते हैं। देश में अधिकारी तंत्र और जनप्रतिनिधियों के मध्य अच्छे सम्बंध नहीं हैं। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक तंत्र में तनाव रहता है। मारपीट की नौबत तक आ जाती है। आदर्श लोकतंत्र के लिए यह अच्छी स्थिति नहीं है।

सो उत्कृष्ट, निष्ठावान और कार्यकुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारे संविधान तंत्र में सरकारें संसद व विधानमण्डलों के सामने जवाबदेह हैं। जनप्रतिनिधि भी प्रत्येक 5 वर्ष के बाद आम जनता के समक्ष होते हैं। लेकिन प्रशासन तंत्र की कोई जवाबदेही नहीं। प्रशासन तंत्र संवेदनहीन और निष्क्रिय है और सरकारें सक्रिय। भारतीय प्रशासन का इतिहास पुराना है। प्राचीन प्रशासन की प्रशंसा फाहयान ने भी ह्लशासन प्रबंध सुव्यवस्थित, उदार व सौम्यह्व बताकर की है। मौर्यकाल (340 ई0पूर्व) में भी सुगठित राष्ट्रनिष्ठ शासन तंत्र था। कौटिल्य के ह्यअर्थशास्त्रह्न में प्रशासन तंत्र का खूबसूरत विवरण है। सिंधु घाटी सभ्यता (2200 ई0पूर्व से 1750 ई0पूर्व तक) के प्रशासन को ह्वीलर व पिगाट जैसे विद्वानों ने भी सुगठित बताया है। उत्तर वैदिक काल व वैदिक काल का प्रशासन समाज के साथ एकताबद्ध और उत्तरदायी था। अंग्रेजी शासकों ने अपने साम्राज्य को मजबूत करने का प्रशासन तंत्र बनाया था। अंग्रेज सरकारों ने भी प्रशासनिक सुधारों के लिए कई आयोग बनाए थे। प्रशासन ही सत्ता चलाने का उपकरण था। वे स्वाभाविक ही प्रशासनिक सुधारों पर सजग थे लेकिन स्वतंत्र भारत में लम्बे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस ने प्रशासनिक सुधारों पर कोई ठोस काम नहीं किया। प्रशासन परम स्वतंत्र होने की स्थिति का उपभोग करता आया है। भारतीय संविधान की उद्देशिका व नीति निदेशक तत्व सरकार व प्रशासन तंत्र के मार्गदशक हैं। वे सुस्थापित विधि नहीं बल्कि सरकार व प्रशासन के कामकाज की आत्मा है। प्रशासन तंत्र इन सूत्रों से नहीं जुड़ता। स्वतंत्र भारत (1951) में प्रशासन की कार्यशैली पर एन0डी0 गोरेवाला की रिपोर्ट ह्यलोक प्रशासन पर प्रतिवेदनह्न नाम से आई। रिपोर्ट के अनुसार ह्लकोई भी लोकतंत्र स्पष्ट, कुशल व निष्पक्ष प्रशासन के अभाव में सफल नियोजन नहीं कर सकता।ह्व इस रिपोर्ट में अनेक उपयोगी सुझाव थे लेकिन क्रियान्वयन नहीं हुआ। 1952 में केन्द्र ने प्रशासनिक सुधारों पर विचार करने के लिए पाल एपिलबी की नियुक्ति की। उन्होंने पूरे देश का भ्रमण किया और ह्यलोक प्रशासन सर्वेक्षण का प्रतिवेदनह्न प्रस्तुत किया। रिपोर्ट में अनेक महत्वपूर्ण सुझाव थे। लेकिन जड़ता नहीं टूटी। स्वाधीनता के 19 बरस बाद पहला प्रशासनिक सुधार आयोग (1966) बना। मोरारजी देसाई अध्यक्ष थे, वे मंत्री हो गए। आयोग ने हनुमंतैया की अध्यक्षता में काम बढ़ाया। आयोग का पहला प्रतिवेदन ह्लनागरिकों की व्यथा दूर करने की समस्याह्व शीर्षक से 20 अक्टूबर 1966 में आया। प्रशासन बनाम आमजन की व्यथा से पूरा देश पीड़ित है लेकिन इस महत्वपूर्ण बिन्दु की उपेक्षा हुई। आयोग ने केन्द्रीय प्रशासन व राज्य प्रशासन पर अलग-अलग सुझाव दिये। रिपोर्ट में आर्थिक नियोजन को आर्थिक प्रशासन के रूप में पहचानने के भी उल्लेख थे।प्रशासन का रूप-रंग और कार्य व्यवहार जस का तस बना रहा। पहले प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्ट (1970) के 35 साल बाद सितम्बर 2005 में वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग बना। मोइली ने 2009 में पद त्यागा। इस आयोग ने भी केन्द्रीय प्रशासन के ढांचे के साथ राज्य प्रशासन पर भी सिफारिशें की। जिला प्रशासन को सक्षम बनाने की भी महत्वपूर्ण संस्तुतियां की। इस रिपोर्ट में आतंकवाद की चुनौती पर भी सुझाव थे। मनरेगा के क्रियान्वयन की भी शल्य परीक्षा थी। समूची रिपोर्ट पर मंत्रियों के समूह को विचार का काम सौंपा गया। आयोग की सिफारिशों के अंत में कहा गया था ह्लसरकार के दृष्टिकोण में आवंटन आधारित विकास कार्यक्रमों से पात्रता आधारित विकास कार्यक्रमों की ओर अन्तरण हुआ है। सभी क्षेत्रों में विकास पर जोर है। केन्द्रीय बजट बढ़ा है। इस सबके कारण संस्थागत प्रशासनिक व वित्तीय प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण जरूरी है।ह्व यहां विकास के सभी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक प्रबंधन पर जोर है। लेकिन असली दिक्कत दूसरी है। सभी कार्यक्रमों को अंतिम परिणिति तक पहुंचाने वाले प्रशासन तंत्र की प्रथम वरीयता परिणाम देना नहीं अपितु अपनी सेवा सुरक्षा है।संविधान विशेषज्ञ मंत्रिपरिषद को अस्थाई और प्रशासन को स्थाई सरकार कहते हैं। यह उचित भी है। सरकार का कार्यकाल पांच वर्ष है और प्रशासन का कार्यकाल सतत चलता है। लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की शक्ति प्रशासन में निहित है। सरकारें पेयजल की समस्या पर बजट देती हैं। व्यवस्था प्रशासन के हाथ में है। बजट का बड़ा भाग प्राया: खर्च नहीं हुआ। प्रशासन तंत्र चाहता तो खर्च हो जाता। योजनाएं बनती हैं, क्रियान्वित नहीं होती। योजना की प्राक्कलन राशि बढ़ती जाती है। उत्तरदायित्व किसका? तमाम बैंक अधिकारियों ने बेरोजगारो को टाल दिया। कई राज्यों में प्रशासन का राजनैतिकरण हुआ है। कुछेक प्रशासनिक अधिकारी सत्तादल के कार्यकर्ता जैसा आचरण करते हैं। आईएएस अधिकारियों के एक समागम में एक अधिकारी ने दूसरे से पूछा ह्लपार्टनर! आपके जिले की जनसंख्या क्या है?ह्व अगले ने कहा ह्लओनली ऐट सिर्फ आठ।ह्व पहले ने पूछा ह्लकुछ समझ में नहीं आया।ह्व अगले ने कहा ह्लआठ नेता सीएम से मिलते हैं। यही जनसंख्या है। इन्हीं को सेट रखना हमारी प्राथमिकता है।ह्व बेशक यह मजाक है लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं। केन्द्र की नीति और नीयत की प्रशंसा हो रही है। नीति और नीयत को क्रियान्वित करने वाला मुख्य उपकरण प्रशासन है। प्रशासन को नये आर्थिक सुधारों के क्रियान्वयन का सक्रिय उपकरण बनाना ही होगा। इसी तरह समाज कल्याण से जुड़ी योजनाओं, कृषि, स्वरोजगार व गरीबी से संघर्ष के काम में ढिलाई करने वाले प्रशासन तंत्र की मनोदशा में बदलाव जरूरी है। प्रशासनिक सुधार आयोगच की सिफारिशें उपयोगी हैं। भारत की नई चुनौतियों के बरक्स प्रशासन के सामने भी चुनौतियों का नया स्वरूप आया है।

सीजेपी प्रोटेस्ट और युवा : जेन जी को शिक्षा के साथ संस्कार आवश्यक

क्या यह पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है? उनकी शिक्षा के विषय में क्या ही बात की जाए। कोई आईएएस की तैयारी कर रहा है, कोई मेडिकल की, कई उच्च शिक्षित थे, कई विद्यार्थी प्रसिद्ध और नामी विवि के थे। मतलब हम इन्हें उच्च शिक्षित कह सकते हैं लेकिन जब सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, रील, मीम्स देखते हैं तो दिमाग जवाब दे जाता है। क्या यह वाकई शिक्षित है?

- प्रो. मनीषा शर्मा

सीजेपी आंदोलन खत्म हो गया, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी हो गया लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में मुझे सबसे ज्यादा चिंता हुई इस युवा पीढ़ी की जो वहाँ उपस्थित थी। उनके आचरण, व्यवहार और प्रयोग की जा रही भाषा सबने एक पालक और शिक्षक होने के नाते मुझे झकझोर कर रख दिया। क्या यह पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है? उनकी शिक्षा के विषय में क्या ही बात की जाए। कोई आईएएस की तैयारी कर रहा है, कोई मेडिकल की, कई उच्च शिक्षित थे, कई विद्यार्थी प्रसिद्ध और नामी विवि के थे। मतलब हम इन्हें उच्च शिक्षित कह सकते हैं लेकिन जब सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, रील, मीम्स देखते हैं तो दिमाग जवाब दे जाता है। क्या यह वाकई शिक्षित है? यदि हां तो हम कैसी शिक्षा व्यवस्था चला रहे जो इस पीढ़ी को यह तक ना सिखा पाई कि एक शिक्षित और सभ्य इंसान की भाषा का स्तर क्या होता है। हमारे यहां कहा जाता है कि जब आप बोलते हो तो सिर्फ आप नहीं बोलते बल्कि आपका पूरा खानदान बोलता है। अर्थात आपके मुंह खोलते ही आपकी परवरिश सामने आ जाती है जो बताती है आपके घर का माहौल कैसा है। लेकिन यह बात सो कूल कहलाने वाली जेनरेशन नहीं जानती। एक पालक और शिक्षक होने के नाते में पूरी जिम्मेदारी से बोल रही हूं कि बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कारित करने की बहुत ज्यादा आवश्यकता है।

यह भाषा जो जंतर-मंतर पर बोली जा रही थी गालियों और नारों के रूप में उस व्यक्ति के लिए जो आपके पिता या दादा की उम्र का है, ये किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। मैं जो सुन भी नहीं पा रही थी वो 18- 19 साल की लड़कियां बोल रही थी। ये युवा वो है जिनके कंधों पर देश की जिम्मेदारी है। मैं ही क्यों मेरे जैसे अनेक लोग जो आज भी भाषा की मयार्दा और संयम जानते हैं वह भी यही मान रहे हैं। सीजेपी आंदोलन के दौरान कुछ युवाओं द्वारा किए गए प्रदर्शन में अभद्र भाषा, गाली-गलौज और अराजक व्यवहार की घटनाओं ने पूरी युवा पीढ़ी और समाज के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा किया है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों का शीर्ष नेतृत्व से प्रश्न पूछने का अधिकार है। लेकिन उस अधिकार के साथ कर्तव्य और जिम्मेदारी भी जुड़ी है। अधिकार का प्रयोग पूर्ण मयार्दा और जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए। यदि कोई भी विरोध अपनी गरिमा और संयम और अनुशासन खो देता है तो उसका उद्देश्य कमजोर हो जाता है। इस सीजेपी आंदोलन में पूरे समय शालीनता के स्थान पर अपशब्द, अभद्रता तथा हिंसक प्रवृत्ति हावी दिखी। यह घटना इस बात पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है कि युवा का केवल उच्च शिक्षा प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। विद्या ददाति विनयम अर्थात विद्या विनम्रता प्रदान करती है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य व्यक्ति को विवेकशील, संवेदनशील और अनुशासित बनाना है। यदि शिक्षित होने के बावजूद किसी व्यक्ति के आचरण और व्यवहार में संयम, सम्मान, विनम्रता और नैतिकता का अभाव दिखता है तो यह बताता है कि शिक्षा के साथ संस्कार प्रदान नहीं किए गए। संस्कारों का समुचित विकास नहीं हो पाया।

संस्कार देना किसी एक व्यक्ति का काम नहीं। यह परिवार, समाज और विद्यालय तीनों के संयुक्त प्रयासों से ही विकसित होते हैं। यही संस्कार हमें सिखाते हैं कि किसी बात को कैसे रखा जाए। किसी से यदि मतभेद हो तब भी संवाद की भाषा सभ्य होनी चाहिए। असहमति को तर्क से व्यक्त किया जाना चाहिए। लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना हमारा प्रथम कर्तव्य होना चाहिए। अपशब्दों और अराजकता से न तो कभी विचारों को मजबूती मिली है और न ही समाज को।

हालाँकि मैं यह भी समझती हूं कि एक आंदोलन में शामिल कुछ युवाओं के व्यवहार के आधार देश के सभी युवाओं को कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं होगा। इससे पूर्व कई आंदोलन हुए जहां शांतिपूर्ण तरीके से लोगों ने अपनी बात रखी हैं। लेकिन चिंता की बात तो यह है कि सो कूल कहलाने के लिए, बनने के लिए युवा पीढ़ी किस स्तर पर आ रही है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा के साथ युवा के चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों के विकास पर भी समान रूप से बल दिया जाए। यहां माता-पिता की भूमिका भी अति महत्वपूर्ण हो जाती है। ज्ञान के साथ संस्कार अति आवश्यक है। संस्कार, अनुशासन और संयम से ही समाज और देश को जिम्मेदार नागरिक मिलते हैं। सभ्य भाषा, अनुशासित आचरण और लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन ही किसी भी मांग को, आंदोलन को प्रभावी और सम्मानजनक बनाता है। बात कहने का सलीका हो हो हर बात सुनी जाती है।

आज आवश्यकता है कि युवाओं को सो कूल के नाम पर अमर्यादित और असभ्य और असंयमित होने से बचाने के लिए माता-पिता को घर में, शिक्षक को स्कूल और विश्वविद्यालयों में आगे आना होगा। युवा से संवाद कर उन्हें आचरण की शिक्षा भी देनी होगी। शिक्षा किसी भी मनुष्य को योग्य बनाती है लेकिन संस्कार ही उसे श्रेष्ठ बनाते हैं। इसलिए एक सशक्त और सभ्य समाज के निर्माण के लिए शिक्षा और संस्कार, दोनों का संतुलित और समन्वय आवश्यक है।(लेखिका शिक्षाविद हैं।)

नाग बासुकी की अनन्य भक्ति से प्रसन्न हुए शिव

भगवान शिव का रूप जितना ज्यादा रहस्यमयी है, उतना ही आकर्षक भी है। भगवान शिव अपने शरीर में भस्म, जटाओं में गंगा, माथे पर चंद्रमा और गले में नाग धारण करते हैं। भगवान शिव के इन सभी चीजों को धारण करने के पीछे अलग-अलग मान्यताएं हैं। असल में महादेव न सिर्फ मनुष्यों बल्कि अन्य जीवों पर भी अपनी कृपा और आशीर्वाद बनाए रखते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि भगवान शिव अपने गले में नाग को धारण करते हैं।

भगवान शिव एक ऐसे देवता हैं, जो समाज की बहिष्कृत चीजों को अपने साथ जोड़ते हैं। सांप को भगवान शिव ने अपने गले में धारण कर उसको सम्मान दिया। श्मशान की भस्म को अपने तन का लिबास बना लिया। कैलाश पर्वत को महादेव ने अपना घर बना लिया। तो आइए जानते हैं भगवान शिव ने अपने गले में सांप क्यों धारण किया है।

शिवजी ने क्यों धारण किया सांप

धार्मिक कथाओं के मुताबिक नागराज वासुकी भगवान शंकर के परम भक्त थे। वह हमेशा भगवान शिव की पूजा-उपासना में लीन रहते थे। धार्मिक शास्त्रों के मुताबिक समुद्र मंथन के समय नागराज वासुकी ने रस्सी का किया था। जिससे सागर को मथा गया था। नागराज वासुकी की भक्ति से प्रसन्न होकर महादेव ने उनको नागलोक का राजा बना दिया। साथ ही भगवान शिव ने अपने गले में आभूषण की तरह लिपटे रहने का वरदान दिया। मिथकव लोकथाएं

क्या मिलता है संकेत

भगवान शिव के विषैले सांप को अपने गले में धारण करना इस ओर भी संकेत देता है कि अगर दुर्जन भी अच्छे कर्म करें, तो ईश्वर उसको जरूर स्वीकार करते हैं। ऐसे में व्यक्ति को सिर्फ अच्छे कर्म करना चाहिए, चाहे उनका स्वभाव कैसा भी हो।

यहां भी मिलता है उल्लेखं

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक समुद्र मंथन के अलावा एक अन्य स्थान पर भी वासुकी नाग का वर्णन मिलता है। जब भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय वासुदेव कंस की जेल से उनको गोकुल लेकर जा रहे थे। तब यमुना में एक भयंकर तूफान आया। ऐसे में नागराज वासुकी ने भगवान श्रीकृष्ण और वासुदेव को सुरक्षित यमुना पार कराने में सहायता की थी।

टिप्स

गर्दन दर्द को न करें नजरअंदाज

अधिकतर लोग कभी न कभी गर्दन के दर्द से काफी परेशान रहते हैं। लंबे समय तक ही एक ही जगह पर बैठे रहने से दर्द और भी बढ़ जाता है। कई बार गलत पॉश्चर में बैठें रहने से गर्दन का दर्द भी शुरू हो जाता है। कई बार तो तनाव भी गर्दन में दर्द का कारण बन सकता है, लेकिन दर्द कुछ देर में या आराम करके ठीक हो जाए, तो किसी बात की कोई चिंता नहीं करनी चाहिए। बार-बार होने वाला तीव्र दर्द अक्सर किसी अंदरुनी समस्या का संकेत हो सकता है। टं८ङ्क उ/ल्लू के अनुसार, एक अध्ययन में पता चला है कि जो लोग दिन में 6 घंटे से ज्यादा समय तक एक ही जगह पर बैठें रहते हैं, उन्हें गर्दन का दर्द होने की संभावना अधिक होती है। इतना ही नहीं, यदि आप लैपटॉप या स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हुए पूरे दिन बैठे रहेंगे,तो इससे और भी खतरा बढ़ सकता है। आइए जानते हैं गर्दन दर्द कब गंभीर बन जाता है।

इंफेक्शन, इंफ्लेमेटरी डिजीज, न्यूरोलॉजिकल समस्याओं का संकेत

- यदि गर्दन के दर्द के साथ बुखार आना।
- बिना किसी कारण के वजन कम होना।
- लगातार सिरदर्द।
- निगलने परेशानी होना।
- ब्लैडर या बॉवेल कंट्रोल में बदलाव।

इन लक्षणों के नजर आने से डॉक्टर को जरुर दिखाएं क्योंकि इसके पीछे इंफेक्शन, इंफ्लेमेटरी डिजीज, यूरोलॉज?कल समस्?याएं देखने को मिल सकती है। दुर्घटना या गिरने के बाद रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर या गंभीर चोट लगने से भी इस तरह के लक्षण नजर आते हैं।

स्पाइनल इंफेक्शन

यदि आपको बार-बार बुखार और दर्द हो, तो इसका मतलब यह है कि स्पाइनल इंफेक्शन हो सकता है। इसका उपचार एंटीबायोटिक या एंटीफंगल दवाओं के साथ किया जा सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

विद्यालय बच्चों के भविष्य की फैक्ट्री, शिक्षक हैं उनके व्यक्तित्व के निर्माता : डीएसई

साहिबगंज : सेंट जेवियर्स हाई स्कूल हिंदी साहिबगंज में रविवार को 21वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सेंट जेवियर्स स्कूल इंग्लिश के ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधीक्षक डीएसई उर्मिला हांसदा ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 286 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।अपने संबोधन में डीएसई उर्मिला हांसदा ने कहा कि विद्यालय बच्चों के भविष्य की फैक्ट्री होता है। यहीं बच्चों को शिक्षा संस्कार अनुशासन और जीवन के मूल्य दिए जाते हैं। विद्यालय में ही उनके व्यक्तित्व को गढ़ा जाता है, जिससे वे आगे चलकर इंजीनियर, वैज्ञानिक, डॉक्टर, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य क्षेत्रों में सफलता हासिल करते हैं।उन्होंने कहा कि शिक्षक रिंग मास्टर की तरह बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उसे सही दिशा देते हैं। उनकी मेहनत और मार्गदर्शन से ही विद्यार्थी अपने जीवन में ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं। विद्यार्थियों की सफलता के पीछे शिक्षकों विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों का संयुक्त योगदान होता है। जबकि विद्यालय के चारों हाउसों के वार्षिक प्रदर्शन के आधार पर कैंपियन हाउस ने 358 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। लोयला हाउस 344 अंकों के साथ द्वितीय, कोस्टका हाउस 296 अंकों के साथ तृतीय ब्रिटो हाउस 291 अंकों के साथ चतुर्थ स्थान पर रहा। विजेता हाउसों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि पुरस्कार विद्यार्थियों की उपलब्धियों का सम्मान होने के साथ-साथ अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा भी है। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों में बरसा हांसदा, किरण केरकेट्टा, पुनीता बारा आशीष जायसवाल, सुनील एक्का, ब्र. नितीश एक्काक्षसिस्टर उसेर्ला, सिस्टर एजेन हस्तलिखित नाम के अनुसार सिस्टर मार्सा अंजू और रिमझिम शामिल थे।

देशभक्ति की भावना आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी : सुभाष

साहिबगंज : कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से माल्यार्पण व कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का नेतृत्व सामाजिक कार्यकर्ता विनोद कुमार यादव ने किया।इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने कारगिल युद्ध के अमर वीरों के अदम्य साहस, शौर्य, त्याग एवं बलिदान को नमन करते हुए उनकी स्मृति में दो मिनट का मौन रखा तथा राष्ट्र की एकता,अखंडता और सम्मान की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में एलसीसी कंप्यूटर साहिबगंज के प्रचारक उत्तम कुमार,पूर्व सैनिक सुभाष यादव,समाजसेवी सिंघेश्वर मंडल,गोपाल चोखानी,वार्ड पार्षद,मनोज पंडित,शशि कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक,सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा उपस्थित रहे।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि कारगिल के वीर शहीदों का सर्वोच्च बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उनके साहस,देशभक्ति और समर्पण की भावना आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी। सभी ने एक स्वर में कहा कि देश के वीर जवानों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता और उनके सम्मान की रक्षा करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है।

साहिबगंज पुलिस को मिले 15 नए बोलेरो वाहन थानों की गश्ती होगी मजबूत

साहिबगंज : जिले की पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से रांची पुलिस मुख्यालय से आवंटित 16 नए बोलेरो वाहन शनिवार को साहिबगंज पुलिस मुख्यालय पहुंच गए। नए वाहनों के पहुंचने से जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में गश्ती व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को बड़ी सहायता मिलेगी।पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह आवश्यकता के अनुसार इन वाहनों का आवंटन जिले के विभिन्न थानों एवं पुलिस इकाइयों को करेंगे। जिन थानों में वाहनों की कमी है या पुराने वाहन अधिक जर्जर हो चुके हैं।उन्हें प्राथमिकता के आधार पर नए बोलेरो उपलब्ध कराए जाएंगे।नए वाहनों के मिलने से पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ेगी। आपातकालीन घटनाओं, अपराध नियंत्रण, रात्रि गश्ती, छापेमारी, वारंट निष्पादन और संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निगरानी जैसे कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से अंजाम दिया जा सकेगा। पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि आधुनिक और बेहतर वाहनों की उपलब्धता से जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा आम लोगों को समय पर पुलिस सहायता उपलब्ध कराने में काफी सुविधा होगी। इससे पुलिसिंग व्यवस्था और अधिक मजबूत एवं प्रभावी होने की उम्मीद है।

एसपी ने थाना प्रभारी के साथ किया केस का रिव्यू

साहिबगंज: एसपी अमित कुमार सिंह ने अपने कार्यालय में जिले के कुछ तालझारी मिर्जा चौकी बरहेट बोरिया सहित अन्य थाना प्रभारियों के साथ केस रिव्यू किया। उन्होंने बीते 5 वर्षों के कई कांडों के थानावर समीक्षा किया। जिसमें वर्षों से लंबित मामलों की समीक्षा कर अवलोकन किया और सभी संबंधित थाना प्रभारी को जल्द से जल्द मामले का उद्भेदन करने व संबंधित अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने सभी थाना प्रभारी को निर्देश देते हुए कहा कि प्रतिदिन सभी थाना प्रभारी अपने कार्यालय में अपने पुलिस पदाधिकारी के साथ बैठक करें और केस के संबंधित आईओ अपडेट लेते रहे हैं उसका रिपोर्ट वरियपदाधिकारी को सौंपे।उन्होंने कहा की न्यायालय से की गई निर्गत वारंटी, इश्तिहार ,लाल वारंटी ,कुर्ती जब्ती, अस्थाई वारंटी हुए हैं सभी पर जल्द से जल्द कार्रवाई करें और फरार चल रहे अपराधियों को धड़ पकड़ कर जेल भेजे और रिपोर्ट न्यायालय को सुपुर्द करें। रिव्यु के दौरान एसपी ने बीते माह में हुए दर्ज मामलों का अवलोकन किया और अब तक पुलिस प्रशासन के द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी प्राप्त की।

पॉक्सो अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण प्रदान करने वाला एक विशेष बाल हितैषी कानून है : गुलाम हैदर

पीड़ित बच्चों को सुरक्षित वातावरण में त्वरित निष्पक्ष संवेदनशील न्याय उपलब्ध कराना है : अखिल कुमार

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेर्शानुसार प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित लोक अदालत कक्ष में पॉक्सो अधिनियम, 2012 के प्रभावी क्रियान्वयनर विषय पर जिला स्तरीय मल्टी स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के साथ-साथ विधिक जागरूकता प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम-सह-विशेष न्यायाधीश पॉक्सो गुलाम हैदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय रविकांत साव, जिला लोक अभियोजक श्री अनुराग शुक्ला, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती पूनम कुमारी, स्वास्थ्य विभाग के डॉ. मुकेश कुमार एवं डॉ.मोहन मुर्मू, पुलिस पदाधिकारीगण, जिला बाल संरक्षण इकाई के प्रतिनिधि लीगल एड डिफेंस काउंसिल, विधिक सहायता अधिवक्ता, पारा विधिक स्वयंसेवक - न्याय मित्र विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जबकि संबोधित करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम-सह-विशेष न्यायाधीश पॉक्सो मो गुलाम हैदर ने पॉक्सो अधिनियम, 2012 के उद्देश्य, उसकी आवश्यकता एवं प्रभावी क्रियान्वयन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण प्रदान करने वाला एक विशेष बाल हितैषी कानून है। जिसका उद्देश्य पीड़ित बच्चों को सुरक्षित वातावरण में त्वरित निष्पक्ष संवेदनशील न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पुलिस अभियोजन स्वास्थ्य विभाग जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति, विधिक सेवा प्राधिकार तथा न्यायपालिका सहित सभी संबंधित विभागों की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित हैं, जिनका समन्वित एवं समयबद्ध निर्वहन अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने पॉक्सो मामलों में अनुसंधान की विधि पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि प्रत्येक मामले में निष्पक्ष, वैज्ञानिक एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना होनी चाहिए। घटनास्थल का विधिवत निरीक्षण, भौतिक एवं डिजिटल साक्ष्यों का संरक्षण, पीड़ित एवं गवाहों के बयान का समय पर संकलन तथा फोरेंसिक साक्ष्यों का समुचित उपयोग न्यायिक प्रक्रिया की सफलता के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही न्याय को प्रभावित कर सकती है। जिसमें बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी की भूमिका पर विशेष बल देते हुए कहा कि पीड़ित बच्चे से पूछताछ एवं संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान उसकी गरिमा, गोपनीयता, सुरक्षा एवं मानसिक स्थिति का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। बच्चे को किसी भी प्रकार का भय, दबाव अथवा द्वितीयक मानसिक आघात का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना सभी संबंधित अधिकारियों का दायित्व है। सत्र न्यायाधीश हैदर ने जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण इकाई की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पीड़ित बच्चों को संरक्षण, काउंसलिंग, पुनर्वास, शिक्षा की निरंतरता, चिकित्सा सुविधा, आश्रय एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिला बाल संरक्षण इकाई को बाल कल्याण समिति, विशेष किशोर पुलिस इकाई, स्वास्थ्य विभाग, विधिक सेवा प्राधिकार एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक पीड़ित बच्चे के सर्वोत्तम हित की रक्षा हो उसका समुचित शारीरिक मानसिक एवं सामाजिक पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके। वही पुलिस पदाधिकारियों से प्राथमिकी का त्वरित पंजीकरण पीड़ित बच्चे की सुरक्षा, समयबद्ध अनुसंधान एवं आरोप-पत्र समर्पित करने तथा चिकित्सकों से संवेदनशील एवं गोपनीय तरीके से चिकित्सीय परीक्षण, वैज्ञानिक ढंग से साक्ष्य संरक्षण एवं विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पॉक्सो अधिनियम का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि पीड़ित बच्चों को न्याय सुरक्षा, संरक्षण एवं सम्मानजनक पुनर्वास उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी विभागों के बीच प्रभावी समन्वय एवं संवेदनशील कार्यशैली अनिवार्य है।जिला लोक अभियोजक श्री अनुराग शुक्ला ने कहा कि पॉक्सो अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पुलिस, अभियोजन, न्यायपालिका, स्वास्थ्य विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के मध्य निरंतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, समयबद्ध अभियोजन तथा साक्ष्यों के प्रभावी प्रस्तुतीकरण से ही पीड़ित बच्चों को शीघ्र न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने बाल यौन अपराधों की रोकथाम, पीड़ित बच्चों को त्वरित एवं संवेदनशील न्याय उपलब्ध कराने और बाल हितैषी न्याय प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उपायों पर विस्तार से अपने विचार रखे।जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार बच्चों, महिलाओं एवं अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए सतत कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के थाना, पंचायत , क्षेत्रों में पारा विधिक स्वयंसेवक -न्याय मित्र पदस्थापित हैं, जो आमजन एवं विशेष रूप से पीड़ित बच्चों तथा उनके परिजनों को विधिक सहायता प्राप्त कराने, आवेदन तैयार कराने, संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कराने तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं। कहा कि पॉक्सो मामलों में पीड़ित बच्चों एवं उनके परिवारों को निःशुल्क विधिक सहायता, पीड़ित प्रतिकर योजना के अंतर्गत प्रतिकर दिलाने, परामर्श, पुनर्वास, बाल कल्याण समिति एवं जिला बाल संरक्षण इकाई से समन्वय स्थापित करने तथा न्यायालयीन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार सदैव तत्पर है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की विधिक सहायता की आवश्यकता होने पर वे अपने निकटवर्ती पारा विधिक स्वयंसेवक -न्याय मित्र, फ्रंट ऑफिस, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज से संपर्क कर निःशुल्क सहायता प्राप्त कर सकते हैं। आयोजित विधिक जागरूकता प्रदर्शनी में पॉक्सो अधिनियम, बाल अधिकार, निःशुल्क विधिक सहायता, बाल संरक्षण संबंधी कानूनों, पीड़ित प्रतिकर योजना तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी पोस्टर, पुस्तिकाओं एवं अन्य सूचना सामग्री के माध्यम से प्रदर्शित की गई। उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर इसकी सराहना की तथा बाल अधिकारों की रक्षा, बाल यौन अपराधों की रोकथाम एवं पॉक्सो अधिनियम के प्रभावी अनुपालन हेतु सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का समापन इस विश्वास के साथ हुआ कि न्यायपालिका, पुलिस, अभियोजन, स्वास्थ्य विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, विधिक सेवा प्राधिकार एवं अन्य संबंधित विभागों के समन्वित, संवेदनशील एवं उत्तरदायी प्रयासों से बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने तथा पॉक्सो अधिनियम, 2012 के उद्देश्यों को प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साहेबगंज के युवाओं से किया सीधा वर्चुअल संवाद

विकसित जीवंत ग्राम कार्यक्रम में युवाओं का आह्वान आत्मनिर्भर गांव ही विकसित भारत की मजबूत नींव

संवाददाता

साहिबगंज : युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार के अधीन मेरा युवा भारत साहिबगंज के तत्वावधान में रविवार को जिला समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में 'विकसित जीवंत ग्राम कार्यक्रम' के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ युवाओं का सीधा वर्चुअल संवाद आयोजित किया गया।कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्रधानमंत्री के विचारों को सुना तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का संकल्प लिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा।जब देश का युवा अपनी ऊर्जा नवाचार कौशल और सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने युवाओं से आत्मनिर्भर भारत ग्रामीण विकास,डिजिटल सशक्तिकरण सामाजिक उत्तरदायित्व,पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी को बढ़ावा देने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि ₹विकसित और आत्मनिर्भर गांव ही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव हैं।कार्यक्रम में शामिल युवाओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इस संवाद ने उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को और अधिक जिम्मेदारी के साथ निभाने की प्रेरणा दी है।युवाओं ने अपने गांव,समाज और देश के विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प भी लिया।जिला युवा अधिकारी सौरभ पांडे ने कहा कि ₹आज का यह संवाद साहिबगंज के युवाओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा।प्रधानमंत्री ने युवाओं को कौशल विकास,नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। मेरा भारत का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना है और आगे भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को देश की विकास यात्रा में सहभागी बनाया जाएगा।₹कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं ने कहा कि प्रधानमंत्री से सीधे संवाद करना उनके लिए गर्व का विषय रहा।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से उन्हें नई ऊर्जा आत्म विश्वास और समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा मिली है।इस अवसर पर चंदन कुमार, राहुल कुमार यादव,कौशर अंसारी अजय कुमार मंडल,गौरव कुमार सुमन,बिशाल ठाकुर कृष्णा कुमार यादव रितेश कुमार,विनय टुडू,बेटालाल मुर्मू,जोसेफ सोरेन,हरिओम गुप्ता,सौरभ कुमार गुप्ता,लक्ष्मी कुमारी,सुहागनी मुर्मू,मोहन कुमार,ऋषभ कुमार सिंह तथा नतुवा मुर्मू सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। साथ ही जिला प्रशासन के पदाधिकारी मेरा भारत के प्रतिनिधि एवं स्वयंसेवकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को सरकार की विकासोन्मुखी योजनाओं से जोड़ते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में सहभागी बनाना था।पूरे आयोजन के दौरान सभागार में उत्साह का माहौल रहा और सभी युवाओं ने ₹विकसित भारत 2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने तथा राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का भरोसा जताया।

लंबे समय से केंद्र सरकार का रवैया लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत रहा : एकलाख नदीम

संवाददाता

साहिबगंज : युवा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष एकलाख नदीम ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लोकतंत्र की जीत बताते हुए इसे छात्र-युवा आंदोलन की सफलता करार दिया है।उन्होंने कहा कि लंबे समय से केंद्र सरकार का रवैया लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत रहा।जिसके कारण छात्रों और युवाओं को अपनी मांगों के समर्थन में सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा। श्री नदीम ने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से केंद्र सरकार तानाशाही तरीके से कार्य कर रही थी।उन्होंने कहा कि सरकार के प्रतिनिधियों को ऐसा प्रतीत होने लगा था मानो लोकतांत्रिक व्यवस्था पूरी तरह उनके नियंत्रण में है।उनके अनुसार,सरकार के इस रवैये से देश के बड़े वर्ग में निराशा का माहौल बना और अंततः छात्र-युवाओं ने आंदोलन का रास्ता अपनाया।उन्होंने कहा कि केवल शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कमियों को दूर करने की दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाने चाहिए।उन्होंने देशभर में सभी विद्यार्थियों के लिए समान,ही पर्याप्त नहीं है,बल्कि सरकार को शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क शिक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की।उन्होंने केंद्र सरकार से शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार,छात्रों के हितों की रक्षा तथा लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने के लिए सकारात्मक पहल करने की मांग है।

नगमा से 40 वर्षीय युवक लापता, परिजनों ने पुलिस से लगाई गुहार

हजारीबाग : विक्की कुमार यादव 19 जुलाई 2026 को शाम चार बजे से लापता हैं। वे अपने साथियों के साथ पटना से रजरप्पा मंदिर पूजा करने गए थे। पूजा करने के बाद लौटने के दौरान नगमा टोल प्लाजा के पास भोजन करने के लिए सभी रुके थे। इसी दौरान विक्की कुमार यादव अचानक कहीं चले गए। उनके साथ मौजूद लोगों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। लापता होने के समय विक्की नीले रंग की शर्ट एवं जींस पहन रखी थी। उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। इस संबंध में उनके मामा सुजीत यादव, पिता स्वर्गीय लगन राय, निवासी नगवां टाल, हजारीबाग, द्वारा कोर्रा थाना, हजारीबाग में गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई गई है।

मनुष्य के जीवन में उनके नाम का काफी महत्व होता है : करुणामई भारती

संवाददाता

साहिबगंज : यह एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि मनुष्य को जिस तरह के नाम से पुकारा जाता है उसे उसी प्रकार की छोटी सी अनुभूति होती रहती है।यदि किसी को कूड़ेमल घूरेमल नकछिदा घसीटा फेकू आदि नाम से पुकारा जाएगा तो उसमें हीनता के भाव ही जाएंगे।पुकारने वाले भी किसी के नाम के अनुरूप उसके व्यक्तित्व की हल्की या भारी कल्पना करते हैं।इसलिए मनुष्य के जीवन में उनके नाम का काफी महत्व होता है।उसे सुंदर ही चुना और रखा जाना चाहिए। शहर के गायत्री शक्तिपीठ में रविवार को यज्ञशाला में आयोजित नामकरण संस्कार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला मंडल की सदस्या करुणामई भारती ने ये बातें कही।मौके पर पुरानी साहिबगंज निवासी शिल्पी कुमारी और अमित कुमार चौरसिया के शिशु का नामकरण संस्कार वैदिक रीति से संपन्न किया गया।इस दौरान पुरोहित करुणामई भारती ने बालक का नाम कृषव राज की घोषणा करते हुए उन्हें सामूहिक रूप से आशीर्वाद दिलाया।इस दौरान श्रीमती भारती ने बताया कि आगामी 29 जुलाई 2026 को गायत्री शक्तिपीठ में गुरु पूर्णिमा का पवन महोत्सव मनाया जाएगा इस अवसर पर पांच कुंडीय गायत्री हवन यज्ञ और विभिन्न संस्कार कराए जाएंगे।उन्होंने शहर के सभी श्रद्धालुओं से महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।मौके पर संगीता कुमारी, निभा देवी,मधु कुमारी अनिता देवी, जिला समन्वयक शिवशंकर प्रसाद निराला,शक्तिपीठ पुरोहित राजेंद्र प्रसाद,सत्यदेव प्रसाद सिंह आदि मौजूद थे।

सब-जूनियर महिला हॉकी अकादमी चैंपियनशिप का आगाज, पहले दिन आरके रॉय अकादमी का दबदबा

एजेंसी

ग्वालियर : मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रविवार से चौथी हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप-2026 (जोन-ए और बी) का आगाज हुआ। दिन में पूल-बी के दो मुकाबले खेले गए, जिनमें खालसा स्पोर्ट्स हॉकी अकादमी (कोलकाता) और राजा करण हॉकी अकादमी के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा, जबकि आर.के. रॉय हॉकी अकादमी ने मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन पर शानदार जीत दर्ज की।पूल-बी के पहले मुकाबले में खालसा स्पोर्ट्स हॉकी अकादमी (कोलकाता) ने 47वें मिनट में सौमी माझी के फील्ड गोल की बदौलत बढ़त बनाई। हालांकि, राजा करण हॉकी अकादमी की ओर से रिया ने 51वें मिनट में बराबरी का गोल दागकर टीम को हार से बचा लिया। मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ और दोनों टीमों ने अंक साझा किया। दिन के दूसरे मुकाबले में आर.के. रॉय हॉकी अकादमी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन को 4-0 से शिकस्त दी। आरके रॉय हॉकी टीम की ओर से सोनाक्षी कुमारी ने 8वें और 33वें मिनट में दो गोल किए, जबकि कप्तान शिवानी कुमारी ने 27वें मिनट और कृतिका कुमारी ने 42वें मिनट में एक-एक गोल दागा।

देहरादून टी-20 लीग के लिए खिलाड़ी ट्रायल संपन्न, 650 खिलाड़ियों ने कराया पंजीकरण

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन (सीएयू) द्वारा अनुमोदित देहरादून टी-20 लीग 2026 के आधिकारिक खिलाड़ी चयन ट्रायल का आयोजन देहरादून के नथुवावाला स्थित कीमतीलाल शर्मा क्रिकेट ग्राउंड में संपन्न हुआ। लीग के लिए कुल 650 खिलाड़ियों ने प्लेयर ड्राफ्ट के लिए अपना पंजीकरण कराया, जिनमें से 350 से अधिक खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।देहरादून टी-20 लीग 2026 का आयोजन 2 से 9 सितंबर तक देहरादून के अभिमन्यु क्रिकेट अकादमी में किया जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 18 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 15 लीग मैच, सेमीफाइनल और फाइनल शामिल होंगे।शनिवार को लीग के लिए

खिलाड़ियों का मूल्यांकन चयन समिति के सदस्य धीरनराज शर्मा एवं शिवम खिराना द्वारा किया गया। ट्रायल के आधार पर चयनित खिलाड़ियों को आगामी आधिकारिक प्लेयर ड्राफ्ट में शामिल किया जाएगा, जहाँ लीग की छह फ्रेंचाइजी टीमें अपने-अपने खिलाड़ियों का चयन करेंगी। सीएयू के मुख्य संरक्षक पी.सी. वर्मा ने कहा कि देहरादून टी-20 लीग युवा क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं उत्तराखंड में क्रिकेट की मजबूत नींव तैयार करने के साथ-साथ खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व उपाध्यक्ष एवं क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के पूर्व सचिव महिम वर्मा ने कहा कि देहरादून टी-20 लीग राज्य में क्रिकेट के विकास की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। यह प्रतियोगिता उभरते खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण अवसर और अनुभव प्रदान करेगी तथा उन्हें उच्च स्तरीय क्रिकेट तक पहुंचने का सशक्त मंच उपलब्ध कराएगी। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ दून के सचिव पीयूष कुमार रघुवंशी ने कहा कि देहरादून टी-20 लीग के ट्रायल में खिलाड़ियों की शानदार भागीदारी उत्तराखंड में क्रिकेट के प्रति बढ़ते उत्साह का प्रमाण है। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ दून प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को निष्पक्ष एवं पेशेवर मंच उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें विश्वास है कि यह लीग उत्तराखंड में क्रिकेट विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। देहरादून टी-20 लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नवनीत मिश्रा ने कहा कि 650 खिलाड़ियों का पंजीकरण और ट्रायल में 350 से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी उत्तराखंड में क्रिकेट के प्रति बढ़ते जुनून को दर्शाती है। हमारा उद्देश्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को एक पेशेवर मंच प्रदान करना है, जिससे वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का अवसर प्राप्त कर सकें।एसोसिएशन ने बताया कि ट्रायल में चयनित खिलाड़ियों को देहरादून टी-20 लीग 2026 की छह फ्रेंचाइजी टीमों का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। यह लीग उत्तराखंड के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पेशेवर मंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ राज्य में क्रिकेट के समग्र विकास को नई दिशा देने का कार्य करेगी।

मलाइका के बाद अब

साहिबा बाली को डेट कर रहे अर्जुन कपूर?

बीते रोज भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे वनडे मैच लॉर्ड्स में हुआ, जहां कई सेलेब्स नजर आए. इसी ग्राउंड से अर्जुन कपूर की तस्वीर भी काफी वायरल हो रही है. इस फोटो में अर्जुन कपूर के साथ एक्ट्रेस साहिबा बाली नजर आई, जिसके बाद दोनों की डेटिंग की अफवाहें फिर से शुरू हो गईं.

अर्जुन कपूर अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में छाए रहते हैं. मलाइका अरोड़ा से ब्रेकअप के बाद उनका नाम अब एक्ट्रेस साहिबा बाली से जोड़ा जा रहा है. पिछले कुछ वक्त से अर्जुन कपूर और साहिबा की डेटिंग को लेकर तमाम तरह की रूमर्स फैल रही हैं. इसी बीच, अर्जुन कपूर और साहिबा एक बार फिर साथ दिखाई दिए हैं. बीते रोज दोनों लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में साथ मैच देखते हुए नजर आए. यहां से अर्जुन और साहिबा का तस्वीर काफी वायरल हो रही है. अर्जुन कपूर और साहिबा बाली एक बार फिर डेटिंग की अटकलों के घेरे में आ गए हैं, क्योंकि उन्हें लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में एक साथ देखा गया. दोनों ने रविवार, 19 जुलाई को भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे मैच देखा और स्टैंड्स से उनकी तस्वीरें तेजी से ऑनलाइन वायरल होने लगीं. इंडिया- इंग्लैंड मैच से इस वायरल तस्वीर में अर्जुन कपूर ब्लू कलर के कपड़े पहने हुए नजर आए और उनकी साइड में काला चश्मा लगाए हुए साहिबा भी दिखाई दीं. दोनों को साथ देखकर सोशल मीडिया पर हलचल मच गई और इसके बाद लोगों ने तमाम तरह के अंदाजे लगाने शुरू कर दिए. एक सोशल मीडिया यूजर ने सवाल किया कि क्या दोनों के बीच कुछ चल रहा है क्या.

'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने पीवी सिंधु और महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक उपलब्धियों को सराहा

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में भारत की हालिया खेल उपलब्धियों की सराहना करते हुए बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु की जापान ओपन में ऐतिहासिक जीत और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की लॉर्ड्स में दर्ज ऐतिहासिक टेस्ट विजय को देश के लिए गर्व का क्षण बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के 136वें एपिसोड में कहा कि हमारे युवाओं ने हाल के दिनों में खेलों में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। पीवी सिंधु बैडमिंटन में जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। पूरा देश उनकी इस उपलब्धि पर गर्व करता है। सिंधु ने बीते दिनों बीडब्ल्यूएफ जापान ओपन सुपर-750 के महिला एकल फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इसके साथ ही वह जापान ओपन खिताब जीतने वाली पहली भारतीय शटलर भी बन गई। उन्होंने अपने करियर का पहला सुपर-750 खिताब जीता। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक उपलब्धि का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में टेस्ट मैच जीता है। यह एक ऐतिहासिक जीत है। हमारी टीम ने 270 रन के बड़े अंतर से यह मुकाबला जीता है लेकिन बात सिर्फ इतनी ही नहीं है। लॉर्ड्स के लंबे इतिहास में यह महिलाओं का पहला टेस्ट मैच था। 1983 में इसी मैदान पर भारत ने अपना पहला क्रिकेट विश्वकप जीता था। अब हमारी नारी शक्ति ने भी यहां देश का नाम रोशन किया है।भारत ने इस महीने की शुरूआत में लॉर्ड्स में खेले गए एकमात्र महिला टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 270 रनों से हराकर इतिहास रचा था। भारतीय टीम ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों विभागों में शानदार प्रदर्शन किया था।

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली : बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है।बीसीबी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि यह मैच 13 अगस्त को डार्विन (ऑस्ट्रेलिया) में शुरू होगा। दौरे के लिए बांग्लादेश की टीम 31 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। इस टीम में सौम्य सरकार भी शामिल हैं, जिन्होंने आखिरी बार 2021 में टेस्ट मैच खेला था और उनके पास 16 टेस्ट मैचों का अनुभव है। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और सरकार के अलावा बल्लेबाजी में मुशफिकुर रहीम, मोमिनुअल हक और शादमान इस्लाम जैसे खिलाड़ी भी हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण तस्कीन अहमद, हसन महमूद, खालिद अहमद और इबादत हुसैन पर निर्भर रहेगा। युवा मुसफिक हसन को टेस्ट टीम में पहली बार मौका मिला है। मेहदी हसन मिराज और ताइजुल इस्लाम स्पिन विभाग का नेतृत्व करेंगे।

पहले टेस्ट के लिए टीमः नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), मेहदी हसन मिराज (उप कप्तान), सौम्या सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, अमित हसन, जेकर अली अनिक, ताइजुल इस्लाम, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, एबादोत हुसैन चौधरी, मुसफिक हसन।

सीरीज कार्यक्रम- पहला टेस्ट, 13-17 अगस्त, डार्विन- दूसरा टेस्ट, 22-26 अगस्त, मैके

जिला स्तरीय एडवांस ताइक्वांडो फाइट शिविर खिलाड़ियों ने सीखीं खेल की बारीकियां

मुरादाबाद : जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के अंतर्गत साईं ताइक्वांडो एकेडमी द्वारा रामगंगा विहार स्थित आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी में रविवार को एक दिवसीय जिला स्तरीय ताइक्वांडो एडवांस फाइट कैंप का आयोजन किया गया जिसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं ताइक्वांडो एकेडमी क्लब के लगभग 70 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और खेल की बारीकियां सीखीं। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव शाहवेज अली ने बताया कि यह शिविर जिले के खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने व ताइक्वांडो खेल की नई तकनीकियां सिखाने के लिए लगाया गया है जिससे आगामी अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय व राज्य स्तर की प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन दिखा सकेंगे ।जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन मुरादाबाद के खिलाड़ियों को उच्च स्तर की प्रशिक्षण प्रदान करने का प्रयास कर रही है और भविष्य में इसी तरह करती रहेगी। इस शिविर में खिलाड़ियों ने ताइक्वांडो के नए नियम सीखें और फाइट की नई तकनीकियों का अभ्यास किया।कैंप का संचालन सचिव शाहवेज अली, केशव थापा, रोहित आदित्य ने किया , सहायक कोच में रायन सागर, रोहित कुमार रहे। इस अवसर पर आरएसडी एकेडमी के निदेशक डॉ. विनोद कुमार व डॉ. जी. कुमार ने सभी खिलाड़ियों की सराहना करते हुए मनोबल बढ़ाया। डॉ. गौरव कुमार, डॉ. अजय शर्मा व डॉ. गरिमा शर्मा उपस्थित रहे ।

प्रकाश झा की 'जनादेश' को लेकर उत्साहित हैं तुषार

नई फिल्म को बताया समाज का आईना

बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर फिल्म 'जनादेश' में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन प्रकाश झा कर रहे हैं। तुषार ने अपनी इस नई फिल्म को लेकर कई खुलासे किए हैं। तुषार कपूर अपनी आने वाली नई फिल्म 'जनादेश' को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म की खास बात यह है कि तुषार पहली बार मशहूर निर्देशक प्रकाश झा के साथ काम कर रहे हैं। तुषार के करियर की यह पहली पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे होने पर तुषार कपूर ने अपनी नई फिल्म 'जनादेश' के बारे में खुलकर बात की। तुषार ने कहा, 'फिल्म 'जनादेश' देश के राजनीतिक माहौल पर बनी एक गंभीर और गहरा असर छोड़ने वाली कहानी है।' तुषार ने आगे कहा, 'हालांकि, यह फिल्म आज के समाज का आईना है। प्रकाश झा जैसे बेहतरीन डायरेक्टर के साथ काम करना और ऐसा दिलचस्प किरदार निभाना मेरे लिए बिल्कुल नया और अनोखा अनुभव है।

'लगान' के 2 साल बाद ही ग्रेसी सिंह ने दी थी उससे भी बड़ी HIT

फिर भी डूबा करियर

फिल्म अभिनेत्री ग्रेसी सिंह ने आमिर खान की 'लगान' से सिनेमा की दुनिया में कदम रखा था. टीवी से फिल्मों में आने के बाद कुछ साल अच्छे गुजरे. साल 2003 में बॉक्स ऑफिस पर 'लगान' से बड़ी हिट दी. फिर उनका करियर धीरे धीरे पटरी से उतर गया. जानिए अब ग्रेसी क्या करती हैं और किस हाल में हैं.

ग्रेसी सिंह तो आपको याद ही होंगी. उन्होंने आमिर खान की साल 2001 में आई फिल्म 'लगान' से बॉलीवुड में कदम रखा था. पहली ही फिल्म से वो देशभर में छा गई थीं. गौरी और भुवन (आमिर खान) की जोड़ी ने हर किसी का दिल छू लिया था. 'लगान' ऑस्कर तक में नॉमनिट हुई. फिल्म में गांव की सीधी सादी लड़की के किरदार को खूब पसंद किया गया था. लगान उस दौर की बड़ हिट भी रही थी. आशुतोष गोवारिकार के निर्देशन में बनी फिल्म का बजट करीब 25 करोड़ रुपये था और इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 34.31 करोड़ का बिज़नेस किया था. पर क्या आप जानते हैं कि ग्रेसी ने करियर में 'लगान' से भी बड़ी हिट दी थी. आज ग्रेसी 46 साल की हो गईं हैं. उनके जन्मदिन पर आईए आज आपको बताते हैं उस फिल्म के बारे में. लगान उस दौर की बड़ हिट भी रही थी. आशुतोष गोवारिकार के निर्देशन में बनी फिल्म का बजट करीब 25 करोड़ रुपये था और इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 34.31 करोड़ का बिज़नेस किया था. पर क्या आप जानते हैं कि ग्रेसी ने करियर में 'लगान' से भी बड़ी हिट दी थी. आज ग्रेसी 46 साल की हो गईं हैं. उनके जन्मदिन पर आईए आज आपको बताते हैं उस फिल्म के बारे में. हम ग्रेसी सिंह की जिस फिल्म की बात कर रहे हैं वो है 'मुन्ना भाई एमबीबीएस'. संजय दत्त और अरशद वारसी की जोड़ी ने इस फिल्म में कमाल कर दिया था. ग्रेसी ने फिल्म में डॉक्टर सुमन अस्थाना का रोल निभाया था. इसमें भी उनके किरदार को काफी पसंद किया गया था. हम ग्रेसी सिंह की जिस फिल्म की बात कर रहे हैं वो है 'मुन्ना भाई एमबीबीएस'. संजय दत्त और अरशद वारसी की जोड़ी ने इस फिल्म में कमाल कर दिया था.

खंडवा में आज बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन,

किसानों को संबोधित करेंगे : सीएम मोहन यादव

- किसानों को दी जाएगी खेती की आधुनिक तकनीकों और कृषि यंत्रीकरण की जानकारी

एजेंसी

इंदौर : मध्य प्रदेश में वर्ष 2026 को ₹कृषक कल्याण वर्ष₹ के रूप में मनाया जा रहा है। इसके तहत जिला स्तर पर बलराम कृषि महोत्सव₹ आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में खंडवा में आज सोमवार को नई कृषि उपज मंडी परिसर में प्रातः 11 बजे से बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

कृषि उप संचालक नितेश यादव ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किसानों से संवाद करेंगे। ₹बलराम कृषि महोत्सव₹ में किसानों को खेती की आधुनिक तकनीक, उन्नत बीजों, नवीन कृषि यंत्रों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण तथा शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी

जायेगी, ताकि खेती अधिक लाभकारी, टिकाऊ एवं समृद्ध बन सके। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव में कृषि विभाग के साथ साथ उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, कृषि अभियांत्रिकी तथा अन्य संबंधित विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। किसानों को विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों से सीधे संवाद का और अपनी समस्याओं के समाधान का अवसर मिलेगा। साथ ही उन्हें नई तकनीकों एवं बाजार आधारित कृषि मॉडल की जानकारी भी मिलेगी। महोत्सव में किसानों को डिजिटल कृषि सेवाओं, ऑन लाइन कृषि परामर्श, मौसम आधारित खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, ड्रोन तकनीक, स्मार्ट सिंचाई, उन्नत कृषि यंत्रों तथा आधुनिक कृषि प्रबंधन प्रणालियों की जानकारी भी दी जाएगी। कृषि विशेषज्ञों द्वारा इस कार्यक्रम में किसानों को बदलती जलवायु के अनुरूप खेती की नई पद्धतियों एवं जोखिम प्रबंधन के उपायों से भी अवगत कराया जायेगा।

कारगिल वीरो की श्रद्धांजलि सैनिको के त्याग एवं बलिदान से ही देश की सीमाएं सुरक्षित - उपमुख्यमंत्री

रीवा : मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रविवार को रीवा के कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में आयोजित अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सम्मेलन में कारगिल के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे सैनिक वीरता और त्याग की प्रतिमूर्ति हैं। सैनिकों के त्याग और बलिदान से देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। कारगिल युद्ध में वीर जवानों ने अपने प्राणों की बाजीलगाकर कठिनतम परिस्थितियों में देश को विजय दिलाई। सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर ने सेना की प्रतिष्ठा में चार चांद लगाये। भारत तेजी से हर क्षेत्र में विकास कर रहा है। देश की आजादी के समय वीरों ने जो सपने देखे थे उन्हें 2047 तक पूरा करके देश को विश्वगुरू बनायेंगे।
उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ने हाल ही में समान नागरिक सहिंता कानून पास करके सबकों समान अधिकार दिया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कश्मीर में धारा 370 समाप्त करके एक देश एक विधान एक निशान और एक प्रधान का सपना पूरा किया।

नेपाल पर चीन के दबाव का असर, काठमांडू में होने वाले तिब्बत सम्मेलन में नहीं आएंगे दलाई लामा के प्रतिनिधि

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल सरकार पर चीन के दबाव का बड़ा असर हुआ है। चीन के दबाव के बाद काठमांडू में आयोजित होने वाले तिब्बत से जुड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दलाई लामा की निर्वासित सरकार अपने आधिकारिक प्रतिनिधि नहीं भेजेगी। भारत के हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित मुख्यालय सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन (सीटीए) ने 23 से 29 अगस्त तक काठमांडू में आयोजित होने वाले 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर तिब्बतन स्टडीज' के 17वें सम्मेलन में शामिल न होने का फैसला किया है। सीटीए ने इस सम्मेलन में अपने थिंक टैंक 'तिब्बत नीति संस्थान' (टीपीआई) से पांच प्रतिनिधियों को भेजने की तैयारी की थी। यह हैं-टीपीआई के निदेशक दावा छिरिंग के नेतृत्व में शोधकर्ता डॉ. छेवांग दोरजी, डॉ. छिरिंग डोल्मा, डॉ. कर्मा तेन्जिंग दलिया और डॉ. रिगमोन छिरिंग सामदुक। वर्तमान में पेनपा छिरिंग सीटीए के प्रमुख हैं। एक उच्च सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक, 20 जुलाई को काठमांडू स्थित चीन के राजदूत चांग माओमिंग ने नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राई से मुलाकात में सीटीए के कुछ प्रतिनिधियों के औपचारिक रूप से शामिल होने की बात कहते हुए सम्मेलन को लेकर चिंता जताई थी।

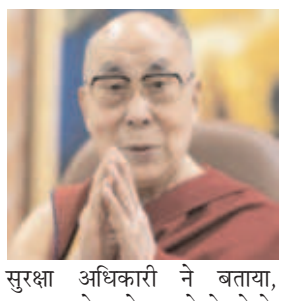

सुरक्षा अधिकारी ने बताया, ₹राजदूत ने सम्मेलन को रोकने के लिए तो नहीं कहा, लेकिन चीन-विरोधी बयानबाजी की आशंका जताते हुए चिंता व्यक्त की थी। शायद नेपाल सरकार पर ज्यादा दबाव न पड़े और सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हो सके, इसलिए सीटीए ने अपने प्रतिनिधि न भेजने का फैसला किया है। सीटीए के 21 जुलाई को लिए गए निर्णय के अनुसार, भले ही उनकी औपचारिक भागीदारी न हो, लेकिन जिन प्रतिनिधियों ने पहले ही अपना पंजीकरण करा लिया है, वे व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में भाग ले सकते हैं। ₹नेपाल सरकार की विदेश नीति का सम्मान करते हुए और असहज स्थिति से बचने के लिए सीटीए ने 21 जुलाई को धर्मशाला में हुई बैठक में औपचारिक रूप से शामिल न होने का निर्णय लिया, एक अन्य सुरक्षा अधिकारी ने कहा, ₹लेकिन सीटीए ने संकेत दिया है कि तिब्बती शोधकर्ता और विशेषज्ञ व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं।

छत पर टहल रहे युवक की हाईटेंशन लाइन से झुलसकर मौत

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया में बिधूना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बरुआ सुखचैनपुर में रविवार रात भीषण गर्मी के बीच छत पर टहल रहे 38 वर्षीय युवक की 11 केवी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के भाई ब्रजमोहन ने बताया कि देवेंद्र रात करीब 10 बजे भोजन के बाद गर्मी से राहत पाने के लिए छत पर टहल रहे थे। इसी दौरान छत के बेहद करीब से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आने से उन्हें करंट लग गया। परिजनों और ग्रामीणों ने सूखी लकड़ी, बांस और फावड़े के हत्थे की मदद से किसी तरह उन्हें तार से अलग किया। इसके बाद गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधूना ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने पीछे मां सूरजमुखी, पिता अर्जुन सिंह, पत्नी बबली, पुत्र नीशू और पुत्री रोशनी को छोड़ गए हैं। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने आवासीय क्षेत्रों के पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों को हटाने की मांग की है। बिधूना कोतवाली प्रभारी विनेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रयागराज: घर के अन्दर फंदे से लटके हुए पाए गए दो युवक

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित करेली थाना क्षेत्र में सोमवार को अलग-अलग स्थानों पर दो युवकों के शव घर के अन्दर लटके पाए गए। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, फिर भी मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि पहली घटना करेली थाना क्षेत्र के नई बस्ती बेनीगंज निवासी राजकुमार अग्रहरी(32) पुत्र स्वर्गीय दशरथ लाल का शव रविवार देर रात घर के अन्दर फंदे से लटका पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची थी। दूसरी घटना करेली थाना क्षेत्र के जेके आशियाना करेली निवासी सैयद मोहम्मद (42) पुत्र स्वर्गीय सैयद हामिद का शव घर के अन्दर सोमवार को फंदे से लटका पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने फोरेंसिक टीम के सहयोग से साक्ष्य संकलित कराया और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, फिर भी मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

बंगाल की खाड़ी के निम्न दबाव से पूरे पश्चिम बंगाल में वर्षा का प्रकोप, कई जिलों में चेतावनी

एजेंसी

कोलकाता : बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव और सक्रिय मानसूनी ट्रफ रेखा के प्रभाव से पूरे पश्चिम बंगाल में मौसम का मिजाज बदल गया है। मौसम विज्ञान केंद्र, कोलकाता के अनुसार, राज्य के अनेक जिलों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा तथा गरज के साथ तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है।

दक्षिण बंगाल के तटीय और पश्चिमी जिलों में निम्न दबाव का सबसे अधिक प्रभाव देखने को मिल रहा है। पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम तथा दक्षिण 24 परगना जिलों में अनेक स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (सात से 20 सेंटीमीटर) होने की संभावना है। इन क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चल सकती हैं। बांकुड़ा, पुरुलिया तथा पश्चिम बर्धमान जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा के साथ एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा होने का अनुमान है। कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर 24 परगना तथा पूर्व बर्धमान जिलों में दिनभर आकाश में बादल छाए रहने, रुक-रुक कर

मध्यम वर्षा अथवा बौछारें पड़ने तथा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने का पूवार्नुमान व्यक्त किया गया है।

मध्य एवं उत्तर बंगाल के मैदानी क्षेत्रों में मालदा, उत्तर दिनाजपुर तथा दक्षिण दिनाजपुर जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। इन जिलों में गरज के साथ आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है। उत्तर बंगाल के पहाड़ी एवं डुआर्स क्षेत्रों में भी मानसूनी गतिविधियां लगातार मजबूत हो रही हैं। दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार तथा कूचबिहार जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने आगामी दो से तीन दिनों के दौरान कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। लगातार हो रही वर्षा के कारण दार्जिलिंग और कालिम्पोंग के पहाड़ी मार्गों पर भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने स्थानीय प्रशासन तथा लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। राज्यभर में वर्षा के कारण तापमान में गिरावट दर्ज होने की संभावना है, जबकि वातावरण में आर्द्रता का स्तर अधिक बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ दिनों तक पश्चिम बंगाल के अधिकांश हिस्सों में वर्षा की गतिविधियां जारी रहने के आसार हैं।

पश्चिम एशिया में जंग थमते ही लुढ़का कच्चा तेल

- ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड में 7 प्रतिशत से अधिक की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में पिछले दो सप्ताह से अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग के थमने का असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पर भी नजर आ रहा है। दोनों देशों द्वारा बमबारी रोकने के कारण आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की कीमत में जबरदस्त गिरावट आ गई। ब्रेंट क्रूड फिसल कर 91 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड लुढ़क कर 85 डॉलर के स्तर के करीब आ गया।

आपको बता दें कि सीजफायर खत्म होने के बाद अमेरिका और ईरान दोनों देशों ने एक दूसरे के ठिकानों पर हमले शुरू कर दिए थे। दोनों देश एक दूसरे के ठिकानों पर लगातार 14 दिन तक बमबारी करते रहे, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई थी। अब दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर हमला रोकने के बाद आज के कारोबार में कच्चे तेल

की कीमत में तेज गिरावट दर्ज की गई है। आज कच्चे तेल की कीमत में सात प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट की वजह से ब्रेंट क्रूड लुढ़क कर 91.33 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी लुढ़क कर 84.07 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने आज 6044 डॉलर प्रति बैरल यानी 6.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 91.94 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के बाद इसकी कीमत 7.05 डॉलर प्रति बैरल यानी 7.16 प्रतिशत फिसल कर 91.33 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई। हालांकि बाद में इसकी कीमत में मामूली तेजी भी आई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 9:15 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 5.71 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 92.67 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

ब्रेंट क्रूड की तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने आज 5.76 डॉलर प्रति बैरल यानी 6.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84.71 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से आज के कारोबार की शुरूआत की। कारोबार शुरू होने के थोड़ी देर बाद ही डब्ल्यूटीआई क्रूड उछल कर 6.40 डॉलर प्रति बैरल यानी 7.07 प्रतिशत लुढ़क कर 84.07 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसकी कीमत में भी मामूली तेजी दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 9:15 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में डब्ल्यूटीआई क्रूड 5.28 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.84 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 85.19 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

नशेबाज चालकों के खिलाफ चलाये गये अभियान में 19 वाहन का ई- चालान, 155000 रुपये वसूला

फतेहपुर : उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में बीती रात्रि ड्रंक एण्ड ड्राइव के अंतर्गत नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 19 वाहन चालकों का विभिन्न धाराओं में ई-चालान करते हुए 155000 रुपये वसूल किए गये। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के मद्देनजर यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ड्रंक एण्ड ड्राइव के अंतर्गत नशे की हालत में वाहन चलाने वाले वाहनों की चेकिंग के तहत जिंदपुर टोल प्लाजा पर यातायात उपनिरीक्षक बृजेन्द्र राय तथा थाना लालौली के सीसीटीम प्रभारी उप निरीक्षक एरिस पटेल मय हमराही द्वारा चेकिंग की गई। वहीं बड़ौरी टोल प्लाजा पर टीएसआई रामानंद द्वारा चेकिंग कर कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान नशे की हालत (ड्रंक एण्ड ड्राइव) में वाहन चलाने वाले विभिन्न वाहन चालकों के विरुद्ध 11 ई-चालान कर 1,10,000 रुपये का जुमार्ना किया गया तथा बिना नंबर प्लेट के भरी मॉल वाहक वाहनों के 8 ई- चालान कर 45,000 रुपये रुपये का जुमार्ना किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जनता से अपील करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं।

देशप्रिय पार्क दुर्गोत्सव समिति ने कोलकाता नगर निगम पर लगाया परेशान करने का आरोप

कोलकाता : कोलकाता की ऐतिहासिक देशप्रिय पार्क दुर्गोत्सव समिति ने आरोप लगाया है कि राज्य में नई सरकार बनने के बाद समिति को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। समिति का कहना है कि कोलकाता नगर निगम की ओर से वर्ष 2021 में पूजा संचालन के लिए कार्यालय उपलब्ध कराया गया था और उसके सभी वैध दस्तावेज मौजूद हैं। इसके बावजूद हाल के दिनों में बार-बार नोटिस जारी कर दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। समिति के प्रवक्ता सारनाथ घोष ने हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में बताया कि इसी वर्ष फरवरी में समिति की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ था। नई कमेटी ने कार्यभार संभालने के बाद प्रशासनिक कार्यों को व्यवस्थित करना शुरू किया, लेकिन राज्य में नई सरकार के गठन के बाद कोलकाता नगर निगम की ओर से लगातार नोटिस मिलने लगे। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई को नगर निगम ने एक और नोटिस जारी कर क्लब और कार्यालय से जुड़े सभी दस्तावेज जमा करने को कहा है। समिति के पास राज्य सरकार द्वारा दिया गया डीड एग्रीमेंट, लीज से संबंधित कागजात और अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज मौजूद हैं। ऐसे में लगभग नौ दशक पुरानी प्रतिष्ठित पूजा समिति से नए सिरे से सभी दस्तावेज जमा कराने की मांग कई सवाल खड़े करती है।

सारनाथ घोष ने कहा कि समिति नगर निगम को सभी दस्तावेज उपलब्ध कराएगी और जांच में पूरा सहयोग करेगी, लेकिन जिस तरीके से ऐतिहासिक और गैर-राजनीतिक संस्था को बार-बार नोटिस देकर परेशान किया जा रहा है, वह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके के कुछ अति वामपंथी विचारधारा से जुड़े लोगों ने नगर निगम के कुछ अधिकारियों के साथ मिलकर समिति को परेशान करने की कोशिश की है। उनके अनुसार, समिति को राजनीतिक विवादों में घसीटने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि वर्ष 1938 में स्थापित इस पूजा समिति का किसी भी राजनीतिक दल से कभी कोई संबंध नहीं रहा है।

गुरु पूर्णिमा पर मुख्यमंत्री योगी ने लिखी पाती, समझाया गुरु का महत्व

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेश की जनता के नाम चिठ्ठी लिखी है। उन्होंने गुरु पूर्णिमा के महत्व को समझाया है और 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने गुरुओं के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया करते हुए कहा कि गुरु का सम्मान ही विकसित समाज और विकसित प्रदेश की आधारशिला है। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु पूर्णिमा गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता का पर्व है। गुरु पूर्णिमा महर्षि वेदव्यास की स्मृति में मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि बौद्ध परंपरा में गुरु पूर्णिमा भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और धर्मचक्र प्रवर्तन का स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। जैन परंपरा में गुरु पूर्णिमा का संबंध गौतम स्वामी के ज्ञान-दीक्षा प्रसंग से है। सिख परंपरा में भी गुरु-वाणी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा सभी परंपराओं में गुरु, ज्ञान और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक पर्व है। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ, श्रीकृष्ण ने गुरु सांदीपनि से ज्ञान प्राप्त किया। जहां गुरु का सम्मान होता है, वहीं समाज उन्नति करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौ वर्षों की सरकार में शिक्षकों के सम्मान और सशक्तीकरण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना से लाखों शिक्षक लाभान्वित हो रहे हैं।

लोकसभा में आज पेश होगा सार्वजनिक परीक्षाएं संशोधन विधेयक

एजेंसी

नई दिल्ली : सार्वजनिक परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक पर सख्ती के लिए सरकार सोमवार को लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 यानी एंटी-पेपर लीक बिल पेश करेगी। इस विधेयक में परीक्षा में धांधली और पेपर लीक के मामलों पर कड़े कानूनी प्रावधान किए गए हैं। विधेयक पेश होने से पहले केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इसे देश के लिए महत्वपूर्ण दिन बताया। उन्होंने मीडिया से कहा कि देश में अब तक हुई पेपर लीक की घटनाओं और हाल के छात्र आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई अहम कदम उठाए और महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं। अब उसी दिशा में एक ठोस कानून संसद के सामने लाया जा रहा है। रिजिजू ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे इस महत्वपूर्ण विधेयक पर सदन में चर्चा में हिस्सा लें।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आने की वजह से ग्लोबल मार्केट से आज भारतीय बाजार के लिए पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

पश्चिम एशिया के तनाव की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 7,411.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,975.82 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 293.58 अंक यानी 0.57 प्रतिशत उछल कर 52,240.83 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 97.06 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,736.23 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.87 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,372.28 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 335.88 अंक यानी 1.34 प्रतिशत उछल कर 25,099 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 125 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,953 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 215.77 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की उछाल के साथ 25,179 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,829.39 अंक के स्तर पर आ गया है। वहीं स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,601.46 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, ताइवान वेट-ेड इंडेक्स 528.60 अंक यानी 1.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 43,126.24 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,637.06 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.64 प्रतिशत टूट कर 1,633.87 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 0.06 प्रतिशत लुढ़क कर 64,570 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.05 प्रतिशत फिसल कर 6,193.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में अत्यंत भारी बारिश और आंधी-तूफान का रेड अलर्ट

रायपुर: छत्तीसगढ़ में बंगाल की खाड़ी में बने गहरे अवदाब के असर से भारी से अत्यंत भारी बारिश और आंधी-तूफान का रेड अलर्ट जारी किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और मौसम केंद्र रायपुर के अनुसार, यह मौसमी सिस्टम उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है, जिसके कारण राज्य में अगले 4 दिनों तक मानसून अत्यधिक सक्रिय रहेगा। इसे 'गहरे अवदाब' के रूप में चिन्हित कर अगले 24 से 48 घंटों के लिए अत्यधिक सावधानी बरतने की चेतावनी आज सुबह मौसम विभाग जारी किया है ।यह अलर्ट मुख्य रूप से आज (27 जुलाई) और कल (28 जुलाई) को राज्य के अधिकांश हिस्सों में मानसून के सबसे उग्र रूप को ध्यान में रखकर एक्टिव किया गया है। ऐसा उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट पर बने कम दबाव के क्षेत्र के मजबूत अवदाब में बदलने व समुद्र तल पर बनी मॉनसून द्रोणिका के पश्चिमी राजस्थान, उरई, सीधी, रांची से होते हुए उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक फैलने की प्रणालियों के कारण किया गया है। मौसम वैज्ञानिक बीआर चिंधालोरे ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना अवदाब लगातार नमी को छत्तीसगढ़ की ओर खींच रहा है। इससे छत्तीसगढ़ के ऊपर पर्याप्त मात्रा में जल वाष्प पहुंच रही है। वहीं मानसूनी द्रोणिका और ऊपरी हवा में बने शियर जोन के कारण बादल तेजी से बन रहे हैं। यही वजह है कि अगले कुछ दिनों तक बारिश की गतिविधियां तेज बनी रहेंगी।

न्यूज IN ब्रीफ

बाईपास रोड पर सिक्योरिटी गार्ड की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

मेदिनीनगर : शहर थाना क्षेत्र के बाईपास रोड स्थित जेएमपी परिसर में कार्यरत एक सिक्योरिटी गार्ड की रविवार देर रात अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। गोली लगने के बाद गंभीर रूप से घायल गार्ड को आसपास के लोगों ने इलाज के लिए एक निजी क्लीनिक पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे और परिजनों से पूछताछ कर मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

युवक का संदिग्ध शव मिलने से सनसनी, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

मेदिनीनगर/पाटन: पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के सहदेवा गांव निवासी 35 वर्षीय प्रभात कुमार मेहता का शव रविवार को पांडेयपुरा पुल के समीप एक अर्धनिर्मित मकान से संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। प्रभात 24 जुलाई से लापता था, जिसके बाद परिजनों ने पाटन थाना में अपहरण का मामला दर्ज कराया था।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। परिजनों का आरोप है कि प्रभात की हत्या कर शव को जलाने का भी प्रयास किया गया। घटना स्थल मृतक के घर से करीब एक किलोमीटर दूर बताया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गोलीबारी की घटना से दहशत में है हाईवा चालक व मालिक

बड़कागांव : बड़कागांव- हजारीबाग रोड स्थित 13 माइल समीप कोयला का ट्रांसपोर्टिंग करने वाले हाईवा पर गत रात्रि गोलीबारी की घटना सेहाईवा चालको एवं मालिकों में दहशत फैला हुआ है। हाईवा एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पंकज कुमार का कहना है की घटना की गोलीबारी होने से हाईवा चालक एवं मालिक भयभीत है।हाईवा चालको एवं मालिकों को सुरक्षा मिलनी चाहिए। वहीं इस संबंध में हाईवा के अनेकों चालक कुछ भी कहने से डरते हैं। वे किसी तरह के कोई प्रतिक्रिया देना नहीं चाहते हैं।--फोटो बड़कागांव 2घटना स्थल का निरीक्षण करते एसपी अमन कुमार और अन्यबड़कागांव 3बरामद किए गए खोखाबड़कागांव 4घटना के बाद रात में जुटी भीड़।

टाटीझरिया से लापता दो नाबालिग बच्चियां रांची से सकुशल बरामद

टाटीझरिया : टाटीझरिया थाना क्षेत्र से बीते 15 जुलाई से लापता दो नाबालिग लड़कियों को पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में सकुशल बरामद कर लिया गया है। बरामदगी के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए दोनों बच्चियों को उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। मामले की जानकारी देते हुए टाटीझरिया थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार ने बताया कि दोनों बच्चियों की उम्र 15 वर्ष और 12 वर्ष है बीते 15 जुलाई को परिजनों को बिना कुछ बताए अचानक घर से कहीं चली गई थीं। रेलवे सुरक्षा बल रांची के सहयोग से दोनों बच्चियों को रांची से सुरक्षित बरामद कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि बरामदगी के बाद दोनों बच्चियों को बाल कल्याण समिति, रांची के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वहां से आवश्यक कागजी कार्रवाई और काउंसिलिंग के उपरांत दोनों को सही-सलामत उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। बच्चियों के सकुशल वापस लौटने पर परिजनों ने राहत की सांस ली है।

श्रद्धालुओं के लिए नए फुट ओवरब्रिज का सफल परीक्षण

देवघरः श्रावणी मेला के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। इसी कड़ी में बाबा बैद्यनाथ मंदिर तक श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नवनिर्मित फुट ओवरब्रिज का सफल परीक्षण किया गया। यह परीक्षण डीसी और एसपी के मौजूदगी में रविवार को देर शाम की गई।

फुट ओवरब्रिज शुरू होने से श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और आसानी से जलार्पण के लिए मंदिर परिसर तक पहुंचने में सुविधा होगी। श्रावणी मेले के दौरान उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए इस फुट ओवरब्रिज का निर्माण किया गया है। इसके माध्यम से श्रद्धालुओं की कतारों को अधिक व्यवस्थित किया जा सकेगा। जिससे भीड़ प्रबंधन बेहतर होगा और जलार्पण की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनेगी।

डीसी एसपी मौके पर रहे मौजूद

जिले के उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया और पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर की गरिमामयी उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ नवनिर्मित फुट ओवरब्रिज का सफल परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने स्वयं इसकी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। परीक्षण के बाद उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने कहा कि फुट ओवरब्रिज के चालू होने से श्रद्धालुओं को लंबी कतारों में अधिक व्यवस्थित ढंग से खड़े होने की सुविधा मिलेगी।

फुट ओवरब्रिज से भीड़ का दबाव रहेगा नियंत्रित

फुट ओवरब्रिज के बनने से भीड़ का दबाव नियंत्रित रहेगा और मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का आवागमन पहले से अधिक सुगम होगी। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत किया। उनका कहना है कि यह फुट ओवरब्रिज केवल श्रावणी मेले के दौरान ही नहीं, बल्कि पूरे वर्ष श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के लिए भी लाभदायक साबित होगा। इससे मंदिर क्षेत्र में लगने वाले जाम से राहत मिलेगी और आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम हो सकेगा।

बारिश की बेरुखी से किसान बेहाल, अकाल घोषित करने की मांग

65 प्रतिशत कम वर्षा से खेती चौपट होने की कगार पर, किसानों को मुआवजा व मजदूरों के लिए राहत कार्य शुरू करे सरकार

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : :लगातार कमजोर मानसून और सामान्य से काफी कम वर्षा ने पलामू क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। भाजपा नेता सुजीत पासवान ने रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस वर्ष मौसम की बेरुखी के कारण खेती-किसानी पूरी तरह प्रभावित हो गई है और जिले में अकाल जैसी स्थिति बनने लगी है।

उन्होंने बताया कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण भदई फसलों में मक्का, उड़द, मूंग, सोयाबीन, रागी, तिल और बादाम की बुआई समय पर नहीं हो सकी। वहीं आषाढ़ माह में होने वाली अरहर की बुआई भी लक्ष्य के अनुरूप नहीं हो पाई है। किसानों ने किसी तरह धान का बिचड़ा तैयार कर लिया है, लेकिन पर्याप्त बारिश नहीं होने से धान की रोपाई शुरू नहीं हो पा रही है।कृष्णा बैठा ने कहा कि अब तक जितनी वर्षा होनी चाहिए थी, उसकी तुलना में लगभग 65 प्रतिशत कम बारिश हुई है। ऐसे में

किसान डीजल पंप और बिजली चालित पंपों के सहारे सीमित क्षेत्रों में रोपाई करने को विवश हैं, जिससे खेती की लागत भी लगातार बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि खेती प्रभावित होने का असर खेतिहर मजदूरों पर भी पड़ा है। रोपाई का कार्य ठप रहने से मजदूरों को रोजगार नहीं मिल रहा है और उनके समक्ष रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। इसके बावजूद सरकार की ओर से किसानों और खेतिहर मजदूरों के हित में अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

सुजीत पासवान ने राज्य सरकार से अविलंब पलामू सहित प्रभावित क्षेत्रों को अकालग्रस्त घोषित करने, किसानों को उचित मुआवजा देने तथा खेतिहर मजदूरों के लिए विशेष राहत एवं रोजगार योजनाएं शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है।

खेल सचिव मुकेश कुमार का कार्यकाल बना इतिहास, डुरंड कप का हुआ आयोजन

बिनय मिश्रा

झारखंड में भारतीय प्रशासनिक सेवा 2009 बैच के आईएएसआई अधिकारी की बात चलने पर मुकेश कुमार का नाम स्वतः ही जुंबा पर चला आता है इसकी प्रमुख वजह यह है कि उनके कार्यकाल में उपलब्धि, कामयाबी और सफलता जैसे शब्द हमेशा जुड़े रहे हैं। श्री कुमार दुमका हजारीबाग, लातेहार तथा खूंटी के लोकप्रिय उपायुक्त रह चुके हैं। झारखंड की उपराजधानी दुमका में श्री कुमार तीन वर्षों तक उपायुक्त के रूप में पदस्थापित रहे और इनके द्वारा किए गए विकास कार्यों के फलस्वरूप आज भी ये इस जिला में लोकप्रिय हैं। रांची नगर निगम के नगर आयुक्त के रूप में रांची नगर निगम को बेहतर बनाने में सफल रहे हैं तथा आदिवासी कल्याण आयुक्त तथा सर्वशिक्षा अभियान के निदेशक भी रह चुके हैं वर्तमान समय में मुकेश कुमार झारखंड के खेल सचिव हैं तथा

खिलाड़ियों को निरंतर प्रोत्साहन एवं खेल के अवसर उपलब्ध कराना इनकी उपलब्धि में शामिल है साथ ही साथ डुरंड कप का आयोजन खेल सचिव के लिए स्वर्णमय और ऐतिहासिक उपलब्धि में शामिल हो गया है। ऐसे आईएएसआई अधिकारी से राज्य और विभाग दोनों गौरवान्वित हैं।

डीईओ कार्यालय में अवकाश मामले पर कार्रवाई, एक लिपिक निलंबित

भारती पाण्डेय से जुड़े चिकित्सीय मामले पर हुई कार्रवाई

संवाददाता

पलामू : भारती पाण्डेय से जुड़े चिकित्सीय एवं विभागीय मामले में प्रशासनिक स्तर पर स्पष्ट स्थिति सामने आई है। इस प्रकरण में प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई करते हुए क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक, पलामू प्रमंडल मेदिनीनगर के पत्रांक 193 दिनांक 26 जुलाई 2026 के द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के लिपिक श्री ईश्वरी दयाल राम को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही पत्रांक 194 दिनांक 26 जुलाई 2026 के तहत श्री अरुण कुमार गिरि (लिपिक) का प्रतिनियोजन जिला शिक्षा पदाधिकारी, पलामू से हटाकर क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, रंका (गढ़वा) में कर दिया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दिनांक 21 जुलाई 2026 को सोना नर्सिंग होम में डॉक्टर ऋषिता सिंह (एमएस/गायने) द्वारा जांच के दौरान मरीज को छीं'ल्ल्ले ढ/श की शिकायत पाई गई थी। चिकित्सक ने तत्काल चिकित्सीय देखरेख हेतु भर्ती होने की सलाह दी थी, लेकिन श्रीमती पाण्डेय ने भर्ती होने से इंकार कर दिया।इसके बाद 24 जुलाई 2026 को पुनः उन्हें भर्ती होने की सलाह दी गई, जिसे भी उन्होंने नहीं माना। अंततः 25 जुलाई 2026 को जब वे पुनः सोना नर्सिंग होम पहुंचीं, तब जांच (अल्ट्रासाउंड) में शिशु मृत पाया गया। चिकित्सकीय प्रक्रिया के तहत मृत शिशु का प्रसव कराया गया।

इधर, विभागीय स्तर पर यह भी स्पष्ट हुआ है कि श्रीमती भारती पाण्डेय द्वारा मातृत्व अवकाश के लिए कोई आवेदन नहीं दिया गया था। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में शिशु देखभाल अवकाश (ड्ढँ'ि उंश् छींप्) के लिए आवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें अपनी 7 वर्षीय पुत्री अदिति कुमारी की देखभाल हेतु अवकाश लेने का उल्लेख किया गया था।

आवेदन एवं शपथ पत्र के आधार पर, विभागीय नियमों के तहत जिला शिक्षा पदाधिकारी, पलामू द्वारा पत्रांक 1069 दिनांक 25 जुलाई 2026 के माध्यम से 185 दिनों के शिशु देखभाल अवकाश की स्वीकृति प्रदान की गई।

पलामू जिला प्रशासन का कहना है कि पूरे मामले में तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की गई है तथा भविष्य में इस प्रकार की स्थिति से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हजारीबाग : गैलेक्सी हाई स्कूल में शनिवार को कारगिल विजय दिवस देशभक्ति और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर किया गया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, भाषण और प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत कर देशप्रेम की भावना व्यक्त की। प्राचार्य ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से कारगिल के वीर सैनिकों के साहस, त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस देश के वीर जवानों के अदम्य शौर्य का प्रतीक है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया तथा राष्ट्रगान के साथ समारोह संपन्न हुआ।

एसडीएम ने लिया श्रावणी मेले की तैयारियों का जायजा

अतिक्रमण और अशुद्ध खाद्य सामग्री ना बेचने की दुकानदारों से अपील

संवाददाता

दुमका : विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला 2026 का आगाज आगामी 30 जुलाई से होने वाला है और प्रशासन की ओर से बासुकीनाथ धाम में श्रावणी मेले की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। माह भर चलने वाले इस मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालु बासुकीनाथ धाम पहुंचकर भोले बाबा का जलाभिषेक करते हैं। श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं को बाबा मंदिर में सुगम जलार्पण में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े इसको लेकर दुमका के अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार ने बासुकीनाथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया।

खाद्य सामग्री की जांच कराई गई

उन्होंने मंदिर के समीप सड़क किनारे से दुकानों का अतिक्रमण हटवाया और दुकानदारों से जुमार्ना वसूलते हुए सड़क किनारे दुकान नहीं लगाने की कड़ी हिदायत दी। इस दौरान उन्होंने फूड सेफ्टी टीम के साथ विभिन्न नाश्ता दुकानों एवं भोजनालयों में बेची जा रही खाद्य सामग्री की जांच भी कराई। उन्होंने बताया कि सावन माह में श्रद्धालुओं को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से दर निर्धारित कर दी गई है।

मिलावटी पदार्थ बेचने पर होगी कड़ी कार्रवाई

दुकानदार निर्धारित दर एवं उचित वजन के साथ श्रद्धालुओं को खाद्य सामग्री उपलब्ध करायें। खाद्य सामग्री में किसी भी प्रकार की मिलावटी पदार्थ पाये जाने पर दुकानदार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने कहा कि गलत सामान बेचते हुए पकड़े जाने पर सामान जब्त करने के साथ-साथ दुकान को भी सील कर दिया जाएगा।

उपायुक्त दुमका अभिजीत कुमार सिन्हा ने बासुकीनाथ राजकीय श्रावणी मेला को लेकर हो रही तैयारी का लिए जायजा। टेंट, सिटी बस पड़ाव और श्रद्धालुओं के लिए कतार की व्यवस्था, पेयजल स्वास्थ्य संबंधी सभी तैयारियों का निरीक्षण किया और पदाधिकारी को कई दिशा निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि टेंट में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि रात्रि के समय श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी टेंटों में प्रतिदिन बेडशीट बदली जाए तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने पेयजल की पर्याप्त एवं निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मोबाइल चार्जिंग रूम की समुचित व्यवस्था करने तथा सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ रखने का निर्देश दिया। साथ ही सभी शौचालयों की नियमित सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पूरे मेला अवधि में स्वच्छता व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

इतिहास के हाशिए से राष्ट्र की स्मृति तक

पलामू के स्वतंत्रता सेनानियों को उनका उचित स्थान कब मिलेगा?

हृदयानंद मिश्र

किसी भी राष्ट्र की शक्ति केवल उसके वर्तमान में नहीं, बल्कि उसके इतिहास की स्मृतियों में निहित होती है। जिस समाज को अपने अतीत पर गर्व होता है, वही भविष्य का आत्मविश्वास भी अर्जित करता है। दुर्भाग्यवश भारत के अनेक जिलों का स्वतंत्रता संग्राम आज भी इतिहास की मुख्यधारा से बाहर है। झारखंड का पलामू भी उन्हीं क्षेत्रों में है, जिसने स्वतंत्रता के लिए अद्वितीय बलिदान दिए, परंतु जिनका समुचित दस्तावेजीकरण अभी तक नहीं हो सका।

जब भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास लिखा जाता है, तब प्रायः कुछ बड़े शहरों और प्रमुख नेताओं तक ही चर्चा सीमित रह जाती है। किंतु भारत की आजादी का वास्तविक इतिहास गाँवों, जंगलों, कस्बों और सीमांत क्षेत्रों में बिखरा पड़ा है। पलामू की धरती इसका सशक्त उदाहरण है। नीलांबरझपीतांबर के नेतृत्व में 1857 का विद्रोह केवल स्थानीय असंतोष नहीं था, बल्कि औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय स्वाभिमान की उद्घोषणा थी। उनके बलिदान ने इस क्षेत्र में स्वतंत्रता की ऐसी चेतना जगाई, जो आने वाले दशकों तक विभिन्न रूपों में जीवित रही।

1857 के बाद अंग्रेजों ने कठोर दमन अवश्य किया, परंतु स्वतंत्रता की भावना को समाप्त नहीं कर सके। बीसवीं शताब्दी में असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान पलामू के अनेक अधिवक्ता, शिक्षक, किसान, विद्यार्थी और समाजसेवी राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़े। उन्होंने जेल यात्राएँ कीं, आर्थिक कष्ट सहे और ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों का साहसपूर्वक सामना किया। स्वतंत्रता उनके लिए केवल राजनीतिक परिवर्तन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और न्याय का प्रश्न थी। विडंबना यह है कि इन सेनानियों का योगदान आज व्यापक जनस्मृति का हिस्सा नहीं बन सका। अनेक नाम सरकारी अभिलेखों तक सीमित हैं। यह स्थिति केवल पलामू की नहीं, बल्कि देश के अनेक जिलों की है। यदि स्थानीय इतिहास को संरक्षित नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियाँ अपने ही क्षेत्र के उन राष्ट्रनायकों से अपरिचित रह जाएँगी, जिन्होंने स्वतंत्र भारत का सपना साकार करने में अपना सर्वस्व अर्पित किया।

आज आवश्यकता केवल स्मारक बनाने या औपचारिक समारोह आयोजित करने की नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक जिले के स्वतंत्रता सेनानियों पर प्रामाणिक शोध हो, सरकारी अभिलेखों का व्यवस्थित संकलन हो, दुर्लभ दस्तावेजों का संरक्षण किया जाए और विश्वविद्यालयों तथा विद्यालयों के पाठ्यक्रमों में स्थानीय स्वतंत्रता आंदोलन को सम्मानजनक स्थान मिले। जब तक इतिहास जनस्मृति का हिस्सा नहीं बनेगा, तब तक राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया भी अधूरी रहेगी।

पलामू के स्वतंत्रता सेनानियों पर तैयार किया जा रहा दस्तावेजी शोध केवल एक पुस्तक का प्रयास नहीं है; यह इतिहास के उन बिखरे पन्नों को जोड़ने का संकल्प है, जिन्हें समय की धूल ने ढँक दिया है। यह उन ज्ञात और अज्ञात वीरों के प्रति कृतज्ञ राष्ट्र की विनम्र श्रद्धांजलि भी है, जिनके त्याग के कारण आज हम स्वतंत्र भारत के नागरिक हैं।

राष्ट्र अपने नायकों का ऋणी होता है। उस ऋण का प्रतिदान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि उनके इतिहास को सुरक्षित रखने से होता है। यदि हम आज अपने स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृतियों को संरक्षित नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमसे यह प्रश्न अवश्य पूछेंगी कि जिन्होंने देश को स्वतंत्र कराया, उन्हें इतिहास में उनका उचित स्थान क्यों नहीं मिला। यही प्रश्न आज हमारे सामने सबसे बड़ी राष्ट्रीय जिम्मेदारी बनकर खड़ा है।